www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 मोदी का नव पंचशील सिद्धांत, नया भारत, नई रणनीति

पीएम-सीएम को बर्खास्त करने वाले विधेयक पर बंट गया विपक्ष? 06

वर्ष :17 | अंक :144 | प्रयागराज , रविवार , 24अगस्त , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

लगातार बारिश से राजस्थान के कई जिलों में जनजीवन पटरी से उतरा

पिछले दो दिन से लगातार बारिश के कारण राजस्थान के कोटा, बूंदी व सवाई माधोपुर सहित कई जिलों में जनजीवन प्रभावित हुआ है। निचले इलाकों में पानी भरने से जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है और स्थानीय प्रशासन ने मदद के लिए सेना सहित अन्य एजेंसियों की मदद ली है। मौसम विभाग के अनुसार बीते चौबीस घंटे में बूंदी के नैनवां में 502 मिलीमीटर बारिश हुई। विभाग ने शनिवार को भी भीलवाड़ा व चित्तौड़गढ़ में अति भारी बारिश की चेतावनी दी है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार शनिवार सुबह तक के चौबीस घंटे में राज्य के कुछ सीमावर्ती जिलों को छोड़कर लगभग सभी जगह बारिश हुई। कई जगह भारी से अत्यधिक भारी बारिश दर्ज की गई। बूंदी, कोटा, सवाई माधोपुर, करौली, जयपुर जिले में अनेक जगह 10 सेंटीमीटर या इससे अधिक बारिश हुई। इससे इन शहरों में निचले इलाकों में पानी भर गया है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। कोटा में सेना के 80 जवानों की टीम शुक्रवार शाम दीगोद तहसील के निमोदा गांव पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए।

पाकिस्तानी विमानों की एयर स्पेस में नो एंट्री, 23 सितंबर तक लागू रहेगा प्रतिबंध

भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान में पंजीकृत विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने की अवधि बढ़ा दी है, जिनमें पाकिस्तानी एयरलाइनों या ऑपरेटरों द्वारा संचालित, स्वामित्व वाले या पट्टे पर लिए गए विमान भी शामिल हैं। नवीनतम नोटिस टू एयरमेन (नोटम) के अनुसार, यह विस्तार सैन्य उड़ानों पर भी लागू होता है। ये प्रतिबंध अब 23 सितंबर 2025 तक लागू रहेंगे, जो भारतीय अधिकारियों द्वारा समय-समय पर बढ़ाए गए प्रतिबंध की निरंतरता को दशार्ता है। यह उपाय पाकिस्तानी वाणिज्यिक और सैन्य विमानों को भारतीय हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने से प्रभावी रूप से रोकता है। यह निर्णय नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच चल रहे तनाव के बीच लिया गया है। विश्लेषक विस्तारित नोटम को भारत की व्यापक सुरक्षा गणना का एक हिस्सा मानते हैं, जो पाकिस्तानी विमानों के लिए उड़ान अनुमतियों पर बढ़ी हुई सतर्कता को दशार्ता है।

नेशनल स्पेस डे: हमारा अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा -पीएम मोदी

शुभांशु शुक्ला की सफलता का भी किया ज़िक्र

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत सेमी-क्रायोजेनिक इंजन और इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन जैसी अभूतपूर्व तकनीकों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। आप सभी वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत से, भारत जल्द ही गगनयान के साथ उड़ान भरेगा और आने वाले समय में भारत अपना अंतरिक्ष स्टेशन भी बनाएगा।

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर राष्ट्र के नाम संबोधन में घोषणा की कि भारत अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की दिशा में काम कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष मिशन की सफलता का ज़िक्र करते हुए घोषणा की कि देश जल्द ही एक अंतरिक्ष यात्री पूल बनाएगा। उन्होंने युवाओं से इस पहल में शामिल होने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत सेमी-क्रायोजेनिक इंजन और इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन जैसी अभूतपूर्व तकनीकों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। आप सभी वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत से, भारत जल्द ही गगनयान के साथ उड़ान भरेगा और आने वाले समय में भारत अपना अंतरिक्ष स्टेशन भी बनाएगा। इस वर्ष राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 'आर्यभट्ट से गगनयानः प्राचीन ज्ञान से अनंत संभावनाओं तक' थीम पर मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अभी तीन दिन पहले ही मेरी मुलाकात ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से हुई। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर तिरंगा फहराकर हर भारतीय को गौरवान्वित किया।

मोदी बोले- अब हमें अंतरिक्ष की गहराई तक जाना है

उन्होंने कहा- 'अभी हम मून और मार्स तक पहुंच चुके हैं। अब हमें अंतरिक्ष की गहराई तक जाना है, जहां मानवता के भविष्य के कई रहस्य छिपे हैं। अंतरिक्ष हमें हमेशा यह एहसास दिलाता है कि कोई भी पड़ाव अंतिम पड़ाव नहीं होता।

मोदी बोले- स्पेस सेक्टर में प्राइवेट सेक्टर को आने दिया

पीएम ने कहा- 'एक समय था जब स्पेस सेक्टर को बेड़ियों में जकड़ दिया गया था। हमने उन बेड़ियों को तोड़ा और प्राइवेट सेक्टर को स्पेस सेक्टर में आने की इजाजत दी और आज देश में 350 से ज्यादा स्पेस स्टार्टअप्स हैं। जल्द ही प्राइवेट सेक्टर द्वारा बनाया गया पहला पीएसएलवी भी लॉन्च होगा।'

स्पेस

सेक्टर में एक के बाद एक माइलस्टोन्स गढ़ना देशवासियों का स्वभाव बन गया है। दो साल पहले भारत चंद्रमा के साउथ पोल पर पहुंचने वाला पहला देश बना और इतिहास रचा।

उन्होंने आगे कहा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु के साथ अपनी चर्चा में, मैंने नए भारत के युवाओं के असीम साहस और अनंत सपनों को देखा है। इन सपनों को आगे बढ़ाने के लिए, हम भारत का अंतरिक्ष यात्री पूल भी तैयार करने जा रहे हैं।

'मतदाता अधिकार यात्रा' के बीच गाड़ी से उतरकर खेतों में पहुंचे राहुल गांधी, मखाना किसानों से की मुलाकात

किसानों से मखाना के तैयार होने की पूरी प्रक्रिया की ली जानकारी

यादव ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि यह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आखिरी चुनाव होगा। वह दोबारा बिहार के मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। आपको असली मुख्यमंत्री चाहिए या नकली? हम सभी को एकजुट होकर बदलाव के लिए वोट करना होगा।

एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अपनी 'मतदाता अधिकार यात्रा' के दौरान शनिवार को कटिहार में मखाना किसानों से उनके खेतों में मिले। तस्वीरों में राहुल किसानों के साथ तालाब में उतरते और उनसे बातचीत करते नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि बिहार मखाना उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देता है और भारत के कुल मखाना का लगभग 80 प्रतिशत यहीं पैदा होता है। इससे पहले, शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव, जो भागलपुर में राहुल के साथ 'मतदाता अधिकार यात्रा' में भी मौजूद थे, ने कहा कि आगामी चुनाव बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए आखिरी चुनाव होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कुमार दोबारा मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। यादव ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि यह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आखिरी चुनाव होगा। वह दोबारा बिहार के मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। आपको असली मुख्यमंत्री चाहिए या नकली? हम सभी को एकजुट होकर बदलाव के लिए वोट करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि तेजस्वी यादव सबको साथ लेकर चलेंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा कि 'मतदाता अधिकार यात्रा' ने लोगों को जगा दिया है और मौजूदा सरकार जनादेश से नहीं, बल्कि चोरी से बनी है।पोस्ट में लिखा था, वोट चोर सरकार को देखिए - यह बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ गुस्सा है।

पप्पू यादव ने आदिवासी महिलाओं को राहुल गांधी से मिलवाया

कटिहार में यात्रा के दौरान सड़क पर आधा दर्जन महिलाएं हाथों में अपना वोटर आईडी कार्ड लिए राहुल गांधी का इंतजार कर रही थी। महिलाओं का दावा था कि उनका नाम वोटर आईडी से काट दिया गया है। महिलाओं को यह कहकर लाया गया था की आपको नाम जोड़ने वाले शिविर में जाने से कोई फायदा नहीं होगा।

जनता को मिले त्वरित न्याय, तभी आएगा सुशासन

सीएम योगी ने दिया मंत्र

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अपने 102 वर्षों के इतिहास में, उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ ने अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। यहाँ उपस्थित न्यायिक अधिकारी एकता, आपसी सहयोग और व्यावसायिक दक्षता के प्रमाण हैं।

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ के 42वें सम्मेलन में भाग लिया और इस बात पर जोर दिया कि अगर देश को सुशासन का लक्ष्य हासिल करना है, तो न्याय को सुलभ और त्वरित बनाना होगा। समारोह को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या के मामले में देश का सबसे बड़ा उच्च न्यायालय है और सभी उच्च न्यायालयों में कार्यरत न्यायाधीशों की संख्या भी सबसे अधिक है।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अपने 102 वर्षों के इतिहास में, उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ ने अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। यहाँ उपस्थित न्यायिक अधिकारी एकता, आपसी सहयोग और व्यावसायिक दक्षता के प्रमाण हैं। मैं इस अवसर पर आप सभी का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। यह गर्व की बात है कि देश का सबसे बड़ा उच्च न्यायालय हमारे राज्य में स्थित है। मुख्यमंत्री योगी ने आगे रेखांकित किया कि हर स्तर पर सामूहिक प्रगति राष्ट्रीय विकास में योगदान देती है।

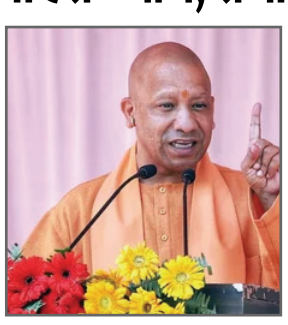

उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के लोगों को एक विकसित भारत के संकल्प के साथ एकजुट किया है।

अनिल अंबानी के ठिकानों पर ईडी की रेड

एफआईआर भी दर्ज हुई, एसबीआई से 2929 करोड़ रुपए के लोन-फ्रॉड का मामला

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने कथित बैंक धोखाधड़ी के सिलसिले में शनिवार को रिलायंस कम्युनिकेशंस के खिलाफ मामला दर्ज किया और उसके परिसरों पर छापे मारे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आरोप है कि इस धोखाधड़ी से भारतीय स्टेट बैंक को 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई आरकॉम और उसके प्रवर्तक निदेशक अनिल अंबानी से जुड़े परिसरों पर छापेमारी कर रही है। सीबीआई ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की। एसबीआई ने 13 जून को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और एसबीआई की नीतियों के अनुसार इन संस्थाओं को धोखाधड़ी करने वाली संस्थाओं के रूप में वर्गीकृत किए जाने के बाद सीबीआई से संपर्क किया था। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने पिछले महीने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में कहा था, 24 जून, 2025 को बैंक ने आरबीआई को धोखाधड़ी की सूचना दी थी और सीबीआई में भी शिकायत दर्ज कराई जा रही है। उन्होंने कहा था कि आरकॉम को एसबीआई से मिले कर्ज में 2,227.64 करोड़ रुपए की निधि-आधारित मूल बकाया राशि, 26 अगस्त, 2016 से अर्जित ब्याज व व्यय तथा 786.52 करोड़ रुपए की गैर-निधि-आधारित बैंक गारंटी शामिल है। उन्होंने कहा था कि आरकॉम दिवाला तथा शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के तहत कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही है।

- कमजोर या बिना वेरिफिकेशन वाली कंपनियों को लोन।
- कई कंपनियों में एक ही डायरेक्टर और एड्रेस का इस्तेमाल।
- लोन से जुड़े जरूरी दस्तावेजों का न होना।
- फर्जी कंपनियों में पैसे ट्रांसफर करना।

उत्तराखंड के थराली में बादल फटा, एक की मौत

80 घरों में 2 फीट तक मलबा भरा; दुकानें-बाजार भी तबाह, रेस्क्यू के लिए आर्मी पहुंची

उत्तराखंड के चमोली के थराली तहसील में देर रात बादल फटने से काफी नुकसान होने की आशंका है। बादल फटने से काफी मलबा आया है, जिससे एसडीएम आवास समेत कई मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। चमोली के डीएम संदीप तिवारी ने यह जानकारी दी है

एजेंसी

गोपेश्वर। उत्तराखंड के चमोली जिले के थराली कस्बे में तेज बारिश के कारण बरसाती नाले टूनरी गधेरे में आई भीषण बाढ़ से तहसील कार्यालय समेत आसपास के मकानों में मलबा भर गया। वहीं, पास के सागवाड़ा और चेपड़ों बाजार क्षेत्रों में एक युवती सहित दो लोगों के लापता होने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि रातभर हुई मूसलधार बारिश के कारण टूनरी गधेरे में बाढ़ आ गई। बाढ़ के साथ आया मलबा तहसील परिसर और आसपास के घरों में घुस गया। चमोली जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि सागवाड़ा गांव में 20 वर्षीय एक युवती के मलबे में दबे होने की सूचना मिली है। राहत और बचाव टीम मौके पर पहुंच गई है।

यह लड़ाई नहीं, विचारों का टकराव है...

उपराष्ट्रपति चुनाव पर बोले इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी

बी सुदर्शन रेड्डी ने उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है, इसे 'विचारों का टकराव' बताया। उन्होंने साफ किया कि उनका मुकाबला एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से व्यक्तिगत नहीं, बल्कि आरएसएस की विचारधारा से है। रेड्डी ने संवैधानिक मूल्यों और विपक्ष की एकता पर जोर दिया।

एजेंसी

इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी ने शनिवार को कहा कि उपराष्ट्रपति का चुनाव कोई लड़ाई नहीं, बल्कि विचारधारा का टकराव है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह इस विचारधारा से असहमत हैं, न कि एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से। एएनआई से बात करते हुए, इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि यह कोई लड़ाई नहीं, बल्कि विचारों का टकराव है... दूसरा पक्ष यह प्रचार कर रहा था कि यहाँ एक व्यक्ति है जो जीवन भर आरएसएस का पूर्ण सदस्य रहा है, इसलिए मैं उस विचारधारा से असहमत हूँ, सीपी राधाकृष्णन जी से नहीं। बी सुदर्शन रेड्डी ने आगे कहा कि एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से उनका कोई निजी विरोध नहीं है। उन्होंने कहा कि सीपी राधाकृष्णन और मेरे बीच कोई निजी मतभेद नहीं है। हम एक-दूसरे से कभी मिले भी नहीं हैं। इसलिए मैं चाहता था कि यह एक सभ्य मुकाबला हो, व्यक्तियों के बीच नहीं, बल्कि दो अलग-अलग विचारधाराओं के बीच।

'मेरी हत्या होती है तो सपा होगी जिम्मेदार...'

अखिलेश यादव पर पूजा पाल ने लगाए गंभीर आरोप

पाल ने लिखा कि उनके स्पष्टीकरण से एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय के लोगों को यह जवाब मिल जाता कि क्या अखिलेश यादव वाकई पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों (पीडीए) के रक्षक हैं।

एजेंसी

समाजवादी पार्टी से निष्कासित होने के कुछ दिनों बाद, चायल विधायक पूजा पाल ने पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को एक पत्र लिखकर उन पर उन्हें बीच रास्ते में अपमानित करके और छोड़कर संगठन के भीतर आपराधिक तत्वों को मजबूत करने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे कहा कि उनका निष्कासन न केवल एक व्यक्तिगत मामला है, बल्कि राज्य के पिछड़े वर्गों, दलितों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की चिंताओं को दबाने का एक प्रयास भी है। पाल ने लिखा कि उनके स्पष्टीकरण से एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय के लोगों को यह जवाब मिल जाता कि क्या अखिलेश यादव वाकई पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों (पीडीए) के रक्षक हैं।

हंगामा विपक्ष और राहुल गांधी पर जमकर बरसे किरेन रिजिजू

कुछ भी करो, हंगामा करो, बस हेडलाइन बटोरना है...

एजेंसी

नयी दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में विपक्ष द्वारा अपनी मांगों को लेकर लगातार व्यवधान देखने को मिलने के बाद, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को कहा कि उन्होंने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों से लोकसभा और राज्यसभा दोनों में चर्चा की अनुमति देने का लगातार आग्रह किया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि मेरा गला भी बैठ गया देखो। विपक्ष को चिल्ला-चिल्ला के मैं अनुरोध करता हूँ कि बहस होने दीजिए। एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में, रिजिजू ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में, संसद विपक्ष की होती है क्योंकि वे सरकार से जवाब मांग सकते हैं। किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार जवाब देने के लिए उत्तरदायी है। विपक्ष को सवाल पूछने होंगे। अगर सवाल पूछने वाले ही भाग जाएं तो सरकार क्या करेगी? हम उनसे हंगामा न करने के लिए कह रहे हैं। मेरा गला खराब हो गया क्योंकि मुझे चिल्लाना पड़ा और विपक्ष से हंगामा न करने के लिए कहना पड़ा। गंभीर आपराधिक आरोपों में फंसे पीएम, सीएम, मंत्रियों को हटाने के लिए विपक्ष द्वारा बिल फाड़ने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन लोगों को ऊपर से ऑर्डर दिया है, उनके पार्टी के नेताओं ने कुछ भी करो, हंगामा करो, और हेडलाइन बटोरना है। भाजपा नेता ने कहा कि मैंने उन्हें कई बार समझाया कि इस तरह कागज फेंकना ठीक नहीं है। उन्होंने सारी हदें पार कर दीं। नीचे आकर गृह मंत्री का माइक छीन लिया। हमने उनसे कहा कि जितना चिल्लाना है चिल्लाएँ, लेकिन किसी चीज को छूने से बचें। अगर हाथापाई हुई, तो देश की बदनामी होगी... इन लोगों को उनकी पार्टी के नेताओं ने आदेश दिया है कि जाओ और कुछ भी करो, हंगामा करो, और सुर्खियाँ बटोरो। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सुर्खियां बटोरने के लिए बकवास बोलते हैं लेकिन वह वोट बैंक में तब्दील नहीं होगा। जिस तरह से वो (कांग्रेस) देशविरोध का काम करते हैं, लोकतंत्र पर हमला करते हैं, देश के लोग कभी भी कांग्रेस को सत्ता में नहीं लाएंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को किसी ने एक नोट लिखकर दे दिया कि ये बोलो। बोलते-बोलते वो भटक गए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव में कांग्रेस और उसके सहयोगी बुरी तरह हार गए। उन्होंने चुनाव आयोग से मतदाता सूची में संशोधन करने और झूठे नाम हटाने का अनुरोध किया। उन्होंने इसकी माँग की। महाराष्ट्र के आँकड़े गलत साबित हुए, और अब वे माफी मांग रहे हैं...

किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार जवाब देने के लिए उत्तरदायी है। विपक्ष को सवाल पूछने होंगे। अगर सवाल पूछने वाले ही भाग जाएं तो सरकार क्या करेगी? हम उनसे हंगामा न करने के लिए कह रहे हैं। मेरा गला खराब हो गया क्योंकि मुझे चिल्लाना पड़ा और विपक्ष से हंगामा न करने के लिए कहना पड़ा।

तमिलनाडु को फंड देने से क्यों इनकार? स्टालिन का बीजेपी पर तीखा वार

एजेंसी

नयी दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा प्रहार करते हुए केंद्र सरकार पर राज्य प्रशासन के लिए परेशानी पैदा करने और धन का उचित हिस्सा आवंटित करने से इनकार करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु की राजनीति सामाजिक न्याय की राजनीति है और अन्य भारतीय राज्यों की तुलना में, तमिलनाडु कई क्षेत्रों में सबसे आगे है। कलाइवनार आरंगम में संघ-राज्य संबंधों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे तमिलनाडु में संघ-राज्य संबंधों पर पहले राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु केंद्र सरकार को जीएसटी राजस्व का सबसे बड़ा योगदान देने वाले राज्यों में से एक है। फिर भी, केंद्र सरकार संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्यों से तमिलनाडु को धन का उचित हिस्सा आवंटित करने से इनकार कर रही है। स्टालिन ने जोर देकर कहा कि तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, पंजाब और केरल ऐसे राज्य नहीं हैं जहाँ भाजपा का शासन है और केंद्र सरकार ने उन्हें समस्याएँ और परेशानियाँ दी हैं।

- मुख्यमंत्री ने कहा कि एक दशक से भी ज्यादा समय से तमिलनाडु आरक्षण नीति को लागू कर रहा है और कई प्रगतिशील कानून व योजनाएँ लागू कर रहा है। इसकी नींव द्रविड़ आंदोलन ने रखी थी।

सम्पादकीय

आधार भी स्वीकार, सुप्रीम कोर्ट के आदेश से विपक्ष की बोलती बंद

बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन के मामले में आधार संबंधी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर खुशी जता रहे विपक्षी नेता इस पर गौर करें तो बेहतर कि शीर्ष अदालत ने यह कहकर एक तरह से उन्हें कठघरे में खड़ा किया कि वे वोटर लिस्ट में अपना नाम शामिल कराने के लिए लोगों की मदद क्यों नहीं कर रहे हैं? सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआइआर पर चुनाव आयोग को यह आदेश देकर बिहार के लोगों को राहत देने के साथ विपक्ष की बोलती बंद करने का भी काम किया कि वह वोटर लिस्ट में नाम शामिल करने के लिए 11 दस्तावेजों के साथ आधार को भी स्वीकार करे। चुनाव आयोग ने इसके लिए जिन 11 दस्तावेजों की सूची जारी की थी, उनमें आधार नहीं था।एक सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से आधार को मान्य करने को कहा था, लेकिन आयोग का तर्क था कि उसे फर्जी तरीके से बनवाया जा सकता है, इसलिए उसका उपयोग नहीं कर सकते। हालांकि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी की थी कि आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं, लेकिन गत दिवस उसने बिहार के लोगों को आधार के जरिये भी मतदाता सूची के सत्यापन की प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर दे दिया।इसके साथ ही आनलाइन आवेदन का भी विकल्प दे दिया। अब जब सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश को विपक्ष अपनी जीत बता रहा है, तब फिर उसे वोट चोरी का शोर मचाना बंद कर देना चाहिए। इसलिए और भी, क्योंकि वोट चोरी के आरोप की आड़ में संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा से खेला जा रहा है। चिंताजनक यह है कि यह काम नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी कर रहे हैं। उन्होंने न केवल चुनाव आयोग के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं, बल्कि उसके अधिकारियों को धमकाया भी। हद तो तब हो गई, जब आगरा में मुख्य चुनाव आयुक्त के पैतृक आवास के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। किसी भी संवैधानिक संस्था के खिलाफ ऐसी छिछली राजनीति शर्मनाक है।बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन के मामले में आधार संबंधी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर खुशी जता रहे विपक्षी नेता इस पर गौर करें तो बेहतर कि शीर्ष अदालत ने यह कहकर एक तरह से उन्हें कठघरे में खड़ा किया कि वे वोटर लिस्ट में अपना नाम शामिल कराने के लिए लोगों की मदद क्यों नहीं कर रहे हैं? क्या यह विपक्षी दलों के दोहरे और गैर जिम्मेदार रवैए का परिचायक नहीं कि अभी तक किसी भी दल ने चुनाव आयोग के समक्ष कोई आपत्ति नहीं दर्ज की है?यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में बिहार के सभी दलों को पक्षकर बनाने का निर्देश दिया। यह निर्देश मतदाता सूची के सत्यापन की प्रक्रिया पर आसमान सिर पर उठाने वाले राजनीतिक दलों को दिखाया जाने वाला आईना ही है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि चुनाव आयोग ने इस प्रक्रिया की समय सीमा बढ़ने से मना कर दिया।

आज का विचार

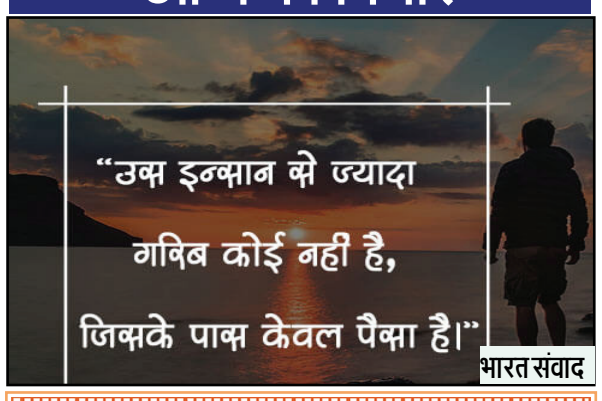

मोदी का नव पंचशील सिद्धांत, नया भारत, नई रणनीति

आपरेशन सिंदूर को स्थगित करना पाकिस्तान पर सदैव लटकने वाली तलवार है जो न केवल उसके नाभिकीय ब्लैकमेल को दरकिनार करती है वरन वहां की सरकार और सेना पर मनोवैज्ञानिक दबाव भी बनाती है। 15 अगस्त को मिशन सुदर्शन चक्र की घोषणा कर मोदी ने बाहरी आक्रमण से संवेदनशील प्रतिष्ठानों को सुरक्षित करना और सशक्त प्रत्युत्तर देना भी सैन्य रणनीति में शामिल किया है।

पा स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से अपने 12वें उद्बोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नए भारत और राष्ट्र प्रथम को सर्वोपरि रखते हुए एक तरह से नव पंचशील सिद्धांत का उद्घोष किया। अप्रैल 1954 में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और चीन के पीएम चाऊ एन लाई ने पंचशील सिद्धांत का निरूपण किया था, जो पारस्परिक सम्मान, अहस्तक्षेप, समानता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व पर आधारित था, पर 1962 में चीन ने हमारे हजारों किमी भू-भाग पर कब्जा कर उसकी अंत्येष्टि कर दी। प्रधानमंत्री मोदी को 2014 में विरासत में विषम आंतरिक और बाह्य परिस्थितियां मिलीं। उनका सामना करते हुए उन्होंने पंचशील सिद्धांत का पालन किया। विगत 11 वर्षों में उन्होंने भारत की वैश्विक छवि और शक्ति में गुणात्मक परिवर्तन किया है। पाकिस्तानी आतंकियों की ओर से पहलगाम में लोगों का मजहब पूछकर हत्या के बाद पाकिस्तान के खिलाफ आपरेशन सिंदूर ने भारत की सैन्य शक्ति से विश्व को परिचित कराया। मोदी ने विश्व को संदेश दिया कि यह नया भारत है, जो पुराने पंचशील सिद्धांत का अनुपालन करते हुए एक नव पंचशील सिद्धांत का उद्घोष करता है। मोदी का नव पंचशील सिद्धांत नई सैन्य रणनीति, कुशल विदेश नीति, चतुर कूटनीति, नवीन आर्थिक संकल्पना और हिंदुत्ववादी समावेशी राजनीति पर आधारित है। यह उभरते भारत की अस्मिता है। भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम की चर्चा पूरे विश्व में हमेशा रही है, पर राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी और रणनीतिक कमजोरियों के चलते

कई बार सेना का सामर्थ्य व्यर्थ हो गया, वह चाहे 1962 में चीन से, 1965 में पाकिस्तान से युद्ध हो या 1971 में बांग्लादेश युद्ध। 1965 और 1971 में भारत अपनी विजय के बावजूद कुछ भी हासिल नहीं कर पाया। इससे पाकिस्तान को भ्रम हो गया कि भारत उसके प्रति आक्रामक रुख नहीं अपना सकता। नाभिकीय शक्ति प्राप्त करने के बाद पाकिस्तान और भी आश्वस्त हो आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने लगा, पर मोदी ने देश की सैन्य रणनीति का गियर बदल दिया है। पहलगाम में आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ किए गए आपरेशन सिंदूर ने दिखाया कि अब आतंकी गतिविधियों का प्रत्युत्तर भारत कैसे देगा। मोदी की घोषणा कि आतंकी हमलों को युद्ध की संज्ञा दी जाएगी भारतीय सैन्य रणनीति को एक नया आयाम देती है। आपरेशन सिंदूर को स्थगित करना पाकिस्तान पर सदैव लटकने वाली तलवार है, जो न केवल उसके नाभिकीय ब्लैकमेल को दरकिनार करती है, वरन वहां की सरकार और सेना पर मनोवैज्ञानिक दबाव भी बनाती है। 15 अगस्त को मिशन सुदर्शन चक्र की घोषणा कर मोदी ने बाहरी आक्रमण से संवेदनशील प्रतिष्ठानों को सुरक्षित करना और सशक्त प्रत्युत्तर देना भी सैन्य रणनीति में शामिल किया है। विदेश नीति में वैश्विक शक्तियों से समान दूरी के सिद्धांत का परित्याग कर मोदी ने सबसे समान निकटता का सिद्धांत अपनाया है, जो वसुधैव कुटुंबकम्के अनुरूप है। उन्होंने अगस्त 2025 तक 78 देशों की यात्राएं की हैं और 27 देशों ने उन्हें अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया है। वे वैश्विक प्रतिस्पर्धियों जैसे अमेरिका-रूस, रूस-यूक्रेन, अरब-इजरायल, अमेरिका-चीन तथा अन्य छोटे-बड़े सभी देशों से बात कर सकते हैं। उनकी विदेश नीति में पंचशील से आगे पंचामृत के दर्शन होते हैं, जो सम्मान, संवाद, संवृद्धि, सुरक्षा, संस्कृति एवं सभ्यता से निर्मित है। मोदी भारतीय सम्मान से समझौता किए बिना सभी देशों से संवाद करते हैं, ताकि सभी का हित हो और किसी की सुरक्षा, संस्कृति एवं सभ्यता पर आंच न आए। इसीलिए चीन से तमाम तनाव के बावजूद वे चीन जा रहे हैं। कूटनीतिक कुशलता नव पंचशील का तीसरा तत्व है, जिसमें यथार्थवाद और नैतिकता का अद्भुत समन्वय है। अपनी कूटनीति से मोदी सबको चकित करते हैं। उनमें चातुर्य के साथ सहनशीलता है। वे साम, दाम, दंड और भेद का समुचित प्रयोग करते हैं। आपरेशन सिंदूर के बाद उनकी ओर से विभिन्न देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजना इसका उदाहरण है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत-पाकिस्तान के बीच टकराव पर बार-बार मध्यस्थता का श्रेय लेने की कोशिश और असभ्य राजनयिक भाषा के प्रयोग का जवाब देने की विपक्षी चुनौती को अनदेखा कर मोदी ने दृढ़ता से, पर सभ्य राजनयिक भाषा में प्रत्युत्तर दिया। उन्होंने ट्रंप के अमेरिका आने के आमंत्रण को सधन्यवाद अस्वीकार किया और संसद में स्पष्ट किया कि भारत-पाकिस्तान संघर्षविराम बिना किसी मध्यस्थ के पाकिस्तान के आग्रह पर हुआ। उनकी कूटनीति भारतीय बाजार के हितों के संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध है, ताकि भारत को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया जा सके। वे किसी सामरिक संघर्ष में उलझना नहीं चाहते। नव पंचशील का चौथा तत्व आर्थिक सामर्थ्य है, जो स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के स्तंभों पर खड़ा है। गांधीजी ने स्वतंत्रता संग्राम में स्वदेशी को हथियार के रूप में प्रयोग किया था। पीएम मोदी भी स्वदेशी का आह्वान कर नव साम्राज्यवाद से लड़ रहे हैं। सर्वाधिक जनसंख्या वाले भारत की वैश्विक निर्णयन में बराबरी की भूमिका हो, इसके लिए मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया कि वे भारतीय बाजार को अमेरिकी लूट के लिए नहीं खोलेंगे और भारत किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों से समझौता नहीं करेगा। फाइटर जेट इंजन, सेमीकंडक्टर आदि का देश में निर्माण कर वे भारत को विकसित बनाना चाहते हैं। उनके नव पंचशील का पांचवां तत्व समावेशी राजनीति है, जो जातिवादी अस्मिता की राजनीति से आगे निकल वर्ग राजनीति की ओर जाती है। इसीलिए वह चार वर्गों-महिलाओं, युवाओं, छोटे किसानों और गरीब-शोषित-वंचित को विशेष तरजीह देते हैं। वे 140 करोड़ देशवासियों की बात करते हैं। हिंदुत्व को केंद्र में रख उन्होंने श्रीरामजन्मभूमि मंदिर का निर्माण कराया, अनुच्छेद-370 खत्म किया और अब समान नागरिक संहिता की ओर अग्रसर हैं। उनका नव पंचशील सिद्धांत भारत के वैश्विक संबंधों को पुनर्परिभाषित कर एक नई भू-राजनीतिक व्यवस्था को जन्म देने में तो समर्थ है ही, भारतीय लोकतंत्र के पारंपरिक व्याकरण को बदलने की संभावनाएं भी संजोए है।

राशिफल

मेष राशि : बिजनेस के मामले में आपको कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा और समाज में विशेष मान-सम्मान प्राप्त होगा। भौतिक विकास के भी अच्छे योग बन रहे हैं और आर्थिक मामलों में आपको लाभ कमाने के सुनहरे अवसर मिल सकते हैं।

वृषभ राशि : व्यापार के क्षेत्र में आप कामधंधे को आगे बढ़ाने के लिए कोई नई योजना बना सकते हैं। अगर लंबे समय से किसी कानूनी विवाद में फंसे थे तो अब आपकी जीत हो सकती है और स्थान परिवर्तन की योजना में भी सफलता मिलने की संभावना है।

मिथुन राशि: आपका दिन काफी रचनात्मक रहने वाला है और कार्यक्षेत्र में आप किसी रचनात्मक कार्य में रुचि दिखा सकते हैं। इसी को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। नौकरी करने वालों को भी कार्यस्थल पर अपने पसंद का कार्य करने को मिल सकता है, जिसे करने में आपका पूरा मन लगेगा।

कर्क राशि : कार्यस्थल पर आप हर कार्य को पूरा करने में पूरी मेहनत से लगे रह सकते हैं और इससे सफलता भी जरूर प्राप्त होगी। अधूरे काम समय पर पूरे होने से तनाव कम होगा और आप कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए चचाएं भी कर सकते हैं। ऑफिस का वातावरण अच्छा बना रहेगा

सिंह राशि: कार्यक्षेत्र में कुछ वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों में बाधा डालने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे में आपको धैर्य रखना होगा और कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना बेहतर होगा। इससे धीरे-धीरे स्थिति सामान्य होने लगेगी।

कन्या राशि : आपका दिन सामान्य से कम अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको किसी भी अनावश्यक विवाद या बहस की स्थिति से बचना होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है।

तुला राशि : व्यापार के मामले में दिन लाभकारक रहने वाला है और कार्यक्षेत्र में लंबे समय से कोई समस्या या विवाद चल रहा था, तो अब उससे भी छुटकारा मिल सकता है। आप किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं, जिससे भविष्य में लाभ मिलने की संभावना है। लेकिन प्रॉपर्टी के किसी मामले में परिवार के सदस्य के साथ मतभेद पैदा हो सकते हैं।

वृश्चिक राशि : कारोबार के मामले में आपका दिन मजबूत और उत्तम रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में लाभ कमाने के अवसर दिनभर प्राप्त होंगे, जिससे आप प्रसन्न रहेंगे और ज्यादा व्यस्त भी रह सकते हैं। नौकरी या व्यापार के क्षेत्र में कुछ नया काम करने से आपको भविष्य में लाभ प्राप्त हो सकता है।

धनु राशि : कार्यक्षेत्र में कोई भी काम आपको पूरी सावधानी और सतर्कता के साथ करना होगा। वहीं, बिजनेस करने वालों को कुछ जोखिम भरे फैसले लेने या कार्य करने से बड़ा लाभ प्राप्त होने की संभावना है। नौकरी करने वाले कुछ नए काम में रुचि दिखा सकते हैं। व्यापार के मामले में आपको अपने आसपास के नए अवसरों को पहचानना होगा।

मकर राशि: व्यापार के मामले में साझेदारी में किए हुए किसी काम से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ महत्वपूर्ण कार्यों को दिए गए समय पर पूरा करना होगा। इससे कुछ घरेलू कार्यों को पूरा करने का भी मौका मिल सकता है।

कुंभ राशि : व्यापार के मामले में दिन सुखद रहने वाला है और आपको लाभ कमाने के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। लेकिन कार्यक्षेत्र में कोई भी फैसला जल्दबाजी में लेने से बचना होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है। ऐसे में सोच-समझकर ही निर्णय लेना बेहतर होगा।

मीन राशि : दिन लाभकारक रहने वाला है और व्यापार के मामले में जोखिम उठाने से आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। अगर कार्यक्षेत्र में कोई परेशानी चल रही है तो आप उसे अपने मधुर व्यवहार और धैर्य के साथ ठीक कर सकते हैं। कारोबार के मामले में अपनी बुद्धिमानी से सफलता प्राप्त करेंगे और किसी जरूरतमंद व्यक्ति की सहायता भी कर सकते हैं।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

विकराल होते आनलाइन गेम पर नियंत्रण का कानून सराहनीय

ललित गर्ग

इंटरनेट के विस्तार ने आधुनिक दौर में जीवन को अनेक सुविधाएं दी हैं, लेकिन इसके साथ ही कुछ नए गंभीर संकट भी पैदा किए हैं। इनमें सबसे गंभीर संकटों में से एक है ऑनलाइन गेमिंग या कहें तो मनी गेमिंग की बढ़ती लत। यह सच है कि गेमिंग मनोरंजन का साधन हो सकती है, पर जब इसमें धन का जुड़ाव होता है, तब यह सीधा-सीधा जुए एवं सट्टे के रूप में बदल जाती है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग यदि लत बन जाए तो यह संपन्न व्यक्ति एवं परिवार को भी कंगाल कर सकती है। एक आंकड़े के अनुसार देश में एक साल में 45 करोड़ लोगों ने बीस हजार करोड़ गवां दिये हैं। सब कुछ गंवा कर आत्महत्या करने के मामले भी प्रकाश में आते रहे हैं। सवाल इन लालच बेचने एवं जगाने वाली मनी गेमिंग की पारदर्शिता को लेकर भी उठते रहे हैं। इन्हीं चिंताओं एवं त्रासद विडम्बनाओं के बाद ऑनलाइन गेमिंग पर नियंत्रण का एक विधेयक भारत सरकार इसी मानसून सत्र में ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025 लेकर आई है। जिसे अब गंभीर चर्चा के बिना संसद ने पारित भी कर दिया है। यह विधेयक पैसे से खेले जाने वाले किसी भी ऑनलाइन गेम को गैरकानूनी घोषित करता है। यह स्वागत योग्य कदम है, क्योंकि गेमिंग के नाम पर अरबों रुपए का लेन-देन और करोड़ों युवाओं की मानसिक शांति को नष्ट करने वाली प्रवृत्ति दिनोंदिन विकराल रूप ले रही है।

आज स्थिति यह है कि ऑनलाइन गेमिंग की लत केवल समय और धन की बबार्दी ही नहीं कर रही, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक रिश्तों में भी तनाव और विघटन का कारण बन रही है। स्कूल और कॉलेज के छात्र अपनी पढ़ाई की उपेक्षा कर इस आभासी दुनिया में डूबते जा रहे हैं। युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा रात-दिन गेमिंग में डूबा रहता है, जिससे उनके व्यक्तित्व और भविष्य पर गहरा नकारात्मक असर पड़ रहा है। यह संकट केवल आर्थिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है। दिन-रात स्क्रीन से चिपके रहने वाले युवक चिड़चिड़ापन, अवसाद और एकाकीपन का शिकार हो रहे हैं। उनमें हिंसक प्रवृत्तियां भी उभर रही हैं। कई ऐसी खबरें भी आ चुकी है, जिनमें लगातार आनलाइन गेम खेलते रहने से मना करने पर कोई किशोर हिंसक हो गया और उसने या तो आत्महत्या कर ली या फिर किसी की जान ले ली। ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ी लत रिश्तों को तोड़ रही है, दोस्ती और पारिवारिक बंधनों को कमजोर कर रही है। एक पूरी पीढ़ी, जिसे राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए था, अपनी ऊर्जा और रचनात्मकता इस आभासी जुए में गँवा रही है।सरकार के मुताबिक, वह ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने के लिये अवश्य उत्सुक है, जिसमें कोई वित्तीय जोखिम न हो। यहां उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेमिंग का वार्षिक राजस्व 31,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके साथ ही यह हर साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के रूप में बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देता है। लेकिन इसके साथ चिंता का विषय यह भी है कि सुनहरे सब्जबाग दिखाने वाले कई ऑनलाइन गेमिंग एप लत, खेलने वाले आम लोगों के आर्थिक नुकसान और मनी लॉन्ड्रिंग को भी बढ़ावा देते हैं। यही वजह है कि ऑनलाइन गेमिंग में अपनी जमा पूंजी लुटाने वाले बदकिस्मत उपयोगकर्ता नाकामी के बाद आत्महत्या तक करने को मजबूर हो जाते हैं। निस्संदेह सरकार ने राजस्व की परवाह न करते हुए ऑनलाइन मनी गेमिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर एक बड़ा जोखिम भी उठाया है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या केवल कानून से इस प्रवृत्ति पर अंकुश लग सकेगा? इंटरनेट का विस्तृत दायरा और विदेशी ऑनलाइन ऑपरेटर विधेयक के प्रमुख उद्देश्यों को विफल करने की कोशिश कर सकते हैं। यह नितांत अपेक्षित है कि वित्तीय प्रणालियों की अखंडता के साथ-साथ राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा होनी चाहिए। माना जा रहा है कि इस नये कानून को बनाने की जरूरत संभवतः छह हजार करोड़ रुपये वाले महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले के बाद महसूस की गई। जिसकी जांच सीबीआई और ईडी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कुछ शीर्ष राजनेताओं और नौकरशाहों पर सट्टेबाजी एप के यूएई स्थित प्रमोटरों के साथ संबंध होने के आरोप लगे हैं। जो कथित तौर पर हवाला कारोबार और विदेशों में धन-शोधन के कार्यों में लिप्त बताये जाते हैं।भारत सरकार का यह कदम इसलिए भी जरूरी एवं प्रासंगिक है कि इस उद्योग का टर्नओवर कई आर्थिक, राष्ट्रीय एवं सामाजिक विसंगतियों के साथ कई हजार करोड़ तक पहुंच गया है। विदेशी कंपनियां भी इस क्षेत्र में सक्रिय होकर भारतीय युवाओं को लुभाने के लिए तरह-तरह के विज्ञापन और प्रलोभन दे रही हैं। इन मंचों पर जीतने की लालच में फंसकर युवा अपने उज्ज्वल भविष्य को दांव पर लगा रहे हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत जीवन नहीं बिगाड़ती, बल्कि राष्ट्र की प्रगति में भी बाधक है, क्योंकि जिन युवाओं को शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और राष्ट्रनिर्माण में योगदान देना चाहिए, वे अपना समय और ऊर्जा इन आभासी खेलों में गवां रहे हैं। आज जरूरत है कि ऑनलाइन गेमिंग की इस समस्या को केवल कानूनी दायरे में ही नहीं, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर भी गंभीरता से लिया जाए। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को समय पर समझाएं, उनका मार्गदर्शन करें और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें। समाज को भी मिलकर यह संकल्प लेना होगा कि मनोरंजन के नाम पर फैल रहे इस जुए की घातक एवं विध्वंसक संस्कृति को बढ़ावा न दिया जाए।यह ठीक है कि सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करने का प्रस्ताव पारित कर एक सही दिशा में सराहनीय कदम बढ़ाया है, लेकिन कानून से भी अधिक जरूरी है जागरूकता। जब तक लोग स्वयं यह नहीं समझेंगे कि गेमिंग का यह जुआ उनके भविष्य को तबाह कर रहा है, तब तक समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम मनोरंजन के नाम पर छल रही इस प्रवृत्ति का पदार्फाश करें और अपने युवाओं को सुरक्षित, रचनात्मक और सकारात्मक भविष्य की राह पर अग्रसर करें। असंख्य परिवारों को आज अपने बच्चों की इस आदत के कारण कर्ज और बबार्दी में अंधेरों में जाने से बचाये।

खेल के नाम पर ऑनलाइन मंचों पर पैसा लगाना दरअसल सट्टेबाजी ही है, जिसमें जीत की संभावना क्षणिक होती है और हार की संभावना लगभग निश्चित। लाखों युवक अपने खून-पसीने की कमाई या माता-पिता की मेहनत की कमाई को इन कंपनियों की तिजोरियों में डाल रहे हैं।

कुपोषित बच्चे, देश के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह

संजीव ठाकुर

निश्चित तौर पर बच्चे देश के भविष्य होते है यदि देश का भविष्य ही कुपोषित कमजोर और अविसित रहेगा, निर्बल रहेगा तो सशक्त विकसित भारत की कल्पना करना बेमानी होगा भारत में बच्चों के भुखमरी,कुपोषण और बाल विवाह एक बड़े अभिशाप की तरह सामने आ रहे हैं, बच्चों के कुपोषण और बाल विवाह देश के लिए एक बड़ी कमजोर कड़ी साबित हो रही है। यह देश की एक प्रमुख समस्या भी है देश में कुपोषण से बच्चे यानी आने वाले कल के जिम्मेदार नागरिकों की हालत बहुत ज्यादा चिंताजनक है सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश के 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में 33 लाख बच्चे कुपोषण के शिकार है और इनमें 50% बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित होकर बीमारी को झेल रहे हैं देश में भले ही जोर शोर से बाल दिवस हर साल मनाया जाता है और उसी पर करोड़ों खर्च कर दिया जाता है देश में एक महिला तथा बाल विकास मंत्रालय की स्थापना भी की गई है, पर बच्चों के कुपोषण पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका है ऐसी क्या वजह है की नौनिहालों के पोषण के लिए केंद्र या राज्य सरकार के पास इतने संसाधन होने के बावजूद धन मुहैया नहीं हो पाता है मलेरिया, टीबी और ना जाने अन्य कितनी बीमारियों पर भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अरबों रुपए खर्च कर दिए हैं, पर जो भारत की मुख्य रीढ़ की हड्डी है यानी कि आने वाले कल के नागरिक वर्तमान के बच्चे यदि कुपोषित हैं तो यह अत्यंत चिंतनीय सोचनीय तथा विचारणीय पहलू है इसी तरह बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 लागू होने के पश्चात भी बाल विवाह के प्रकरण हजारों की संख्या में सामने आए हैं। निश्चित तौर पर देश में शिक्षा और जागरूकता की कमी के कारण यह भयावह स्थिति बनी है। दक्षिण के राज्यों में जहां शिक्षा का प्रतिशत काफी अच्छा है पर बाल विवाह के मामले में दक्षिण के राज्य कर्नाटक तथा तमिलनाडु शीर्ष पर मौजूद हैं यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। चिंताजनक लड़कियों के मामले में और ज्यादा है है क्योंकि उनका भविष्य उनकी शिक्षा दीक्षा उनका शारीरिक विकास सब कुछ बाल विवाह से अवरुद्ध हो जाता है। बाल विवाह को रोकने के लिए समस्त रूप से प्रयास किए जाने चाहिए इस विषय में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने बाल विवाह रोकने पर और उनके संरक्षण पर काफी प्रयास काफी प्रयास किया है। उनकी जानकारी के अनुसार देश में बाल विवाह तथा लैंगिक मतभेद एक चिंताजनक बड़ा पहलू है जिसे हर संभव प्रयास कर प्रतिबंधित किया जाना चाहिए और इसे केवल सरकारी प्रयासों पर छोड़ देना ना काफी है इसे सामाजिक आंदोलन के रूप में लेकर शिक्षा तथा जागरूकता को भी काफी बढ़ावा देना होगा। इसी तरह देश में कुपोषण के मामले में सरकारी एजेंसियों द्वारा एक आर,टी,आई के जवाब में बताया गया कि 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों संकलित आंकड़ों के मुताबिक 34 लाख बच्चे कुपोषित पाए गए हैं इनमें सबसे ज्यादा महाराष्ट्र बिहार गुजरात और मध्यप्रदेश है विगत दिनों करोना संक्रमण के कारण भी बच्चे कुपोषित हुए हैं और आने वाले कल के दिन में भी और बच्चों के कुपोषण कथा मृत्यु की आशंका बढ़ गई है सरकारी आंकड़ों के हिसाब से 18 लाख बच्चे बहुत ज्यादा कुपोषित है एवं शेष 16लाख बच्चे अल्प कुपोषित हैं जब अरबों रुपए अन्य बीमारियों के संक्रमण में लगाए जा सकते हैं तो एक अभियान के तहत बच्चों के कुपोषण को दूर करने के लिए भी मैराथन प्रयास किए जाने चाहिए ।जिससे बच्चे तो कम से कम कुपोषित ना हो वैसे भारत कुपोषण के मामले में वैश्विक स्तर पर बांग्लादेश तथा पाकिस्तान से भी पीछे है उसका नंबर 101वां है, ऐसे हालात में महिला तथा बाल विकास को महिलाओं तथा बच्चों के लिए ही एक विशेष अभियान चलाकर उन्हें कुपोषित होने से बचाना होगा पोषण ट्रैकर के हवाले से बताया गया कि सिर्फ महाराष्ट्र में ही कुपोषित बच्चों की संख्या छह लाख दर्ज की गई है

उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी रायबरेली, प्रदीप कुमार विश्वकर्मा अनियमितता के कारण हुए निलंबित।

ईंट भट्ठे को संचालनार्थ सहमति (सी०टी०ओ०) निर्गत किए जाने में अनियमितता बरतने की प्राप्त हुई थी शिकायतें।

- प्रदूषण बोर्ड द्वारा गठित तीन सदस्यीय समिति द्वारा प्रकरण जांच कराए जाने पर पाए गए दोषी।

भारत संवाद

लखनऊ दिनांक 23 अगस्त 2025 उत्तर प्रदेश प्रदूषण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी रायबरेली प्रदीप कुमार विश्वकर्मा को अनियमितता के कारण निलंबित कर दिया गया है। प्रदीप कुमार विश्वकर्मा के विरुद्ध उनके क्षेत्र के अंतर्गत अच्छादित ईट भट्ठों के संचालनार्थ सहमति (सी०टी०ओ०)निर्गत किए जाने में अनियमितता किए जाने की शिकायतें प्राप्त हुई थी प्राप्त शिकायतों का नियमानुकूल निस्तारण एवं जांच कराने हेतु प्रदूषण बोर्ड अधिकारियों की तीन सदस्यीय समिति गठित कर प्रकरण की जांच कराई गई थी ।जांच में दोषी पाए जाने पर क्षेत्रीय अधिकारी रायबरेली प्रदीप कुमार विश्वकर्मा को निलंबन आदेश निर्गत कर दिए गए हैं।

जिलाधिकारी के निर्देश पर सभी उपजिलाधिकारियों के द्वारा जनपद सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का किया गया औचक निरीक्षण

जिलाधिकारी ने निरीक्षण में अनुपस्थित पाये गये चिकित्सकों एवं कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोके जाने एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

भारत संवाद

प्रयागराज । जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिये जाने एवं चिकित्सालयों में उपलब्ध आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की अद्यतन स्थिति की जांच हेतु दिए गए निर्देश के क्रम में शुक्रवार को जनपद के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का सम्बंधित उपजिलाधिकारी के द्वारा औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में सभी उपजिलाधिकारियों के द्वारा जनपद के 22 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का शुक्रवार को लगभग प्रातः 08:00 बजे निरीक्षण किया गया था। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में साफ-सफाई की व्यवस्था, चिकित्सकों और स्टॉफ की उपलब्धता एवं उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता एवं वितरण की स्थिति, चिकित्सकीय

> जिलाधिकारी ने जनपद के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि कार्यों में लापरवाही या उदासीनता पाये जाने या कार्यालय में समय से उपस्थित न पाये जाने पर सम्बंधित के विरूद्ध की जायेगी कड़ी कार्रवाई

जांच की मशीनों की उपलब्धता एवं संचालन, अभिलेखों की स्थिति, जनसामान्य हेतु उपलब्ध आवश्यक मूलभूत सुविधाएं, महिला प्रसव वार्ड की स्थिति, महिलाओं के प्रसव पश्चात रूकने की स्थिति एवं अन्य आवश्यक बिंदुओं पर जांच कर अद्यतन आख्या प्रस्तुत की गयी। जिलाधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में निरीक्षण के दौरान जिन चिकित्सकों की रोस्टर के अनुसार ड्यूटी निर्धारित थी और वे अनुपस्थित पाए गए उन सभी चिकित्सकों का एक दिन का वेतन रोके जाने एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है।स्पष्टीकरण संतोषजनक न पाये जाने पर सम्बंधित चिकित्सकों के विरूद्ध विभागीय कार्रवाई हेतु शासन को पत्र प्रेषित करने के लिए कहा है। उन्होंने निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित चिकित्सालय के कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोके जाने एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक सभी व्यवस्थाओं को जल्द से जल्द सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान जांच में चिकित्सालयों में जो भी कमियां मिली है, उनपर त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी व्यवस्थायें सुनिश्चित कर ली जाये। उन्होंने कहा कि आगे भी इसी प्रकार औचक निरीक्षण होते रहेंगे। उपजिलाधिकारी सदर के द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल 100 बेड हॉस्पिटल भगवतपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दवाओं की उपलब्धता मिली। वितरण केन्द्र से दवाएं मरीजों को प्राप्त करायी जा रही थी। निरीक्षण के दौरान कुल 26 नियमित कर्मचारियों में से 14 कर्मचारी अनुपस्थित रहें। इसी तरह से 37 संविदा कर्मचारियों के सापेक्ष 19 कर्मचारी अनुपस्थित पाये गये।निरीक्षण के दौरान उपस्थित कमिंयों के द्वारा बताया गया कि इनमें से कुछ कर्मचारी ऐसे है, जिनकी ड्यूटी प्रातः 10:00 बजे से 05:00 बजे तक ही है। निरीक्षण के दौरान दंतरोग विभाग, सर्जन कक्ष, नाक कान गला विभाग, नेत्र विभाग बंद पाये गये। उपजिलाधिकारी सोरांव के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सोरांव का प्रातः 08:00 बजे निरीक्षण किया गया, जिसमें अधीक्षक श्री अनुपम द्विवेदी अनुपस्थित रहे।

फास्ट ट्रैक

जनपदीय पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारीगण द्वारा थाना समाधान दिवस के अवसर पर जनपद के समस्त थानों पर आने वाले आमजन की सुनी गयी समस्याएं

भारत संवाद

आज दिनांकः 23.08.2025 को शासन के निदेर्शानुसार (प्रत्येक माह के द्वितीय व चतुर्थ शनिवार) जनता की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण हेतु जनपद के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया ।उक्त अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट द्वारा थाना को0शहर पर, अपर जिलाधिकारी द्वारा थाना विन्ध्याचल पर, तहसीलदार द्वारा थाना को0कटरा, लालगंज व चील्ह पर, क्षेत्राधिकारी सदर द्वारा थाना को0देहात पर, अपर पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा थाना पड़री पर, क्षेत्राधिकारी चुनार द्वारा थाना चुनार पर, उपजिलाधिकारी द्वारा थाना हलिया पर, क्षेत्राधिकारी चकबन्दी द्वारा थाना सन्तनगर पर, क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन द्वारा थाना राजगढ़ व मड़िहान पर सम्बन्धित प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण व राजस्व विभाग के अ्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण के साथ थाने पर आने वाले आमजन की समस्याएं सुनकर मौके पर निस्तारण कराया गया तथा शेष मामलों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर रवाना किया गया ।

थाना समाधान दिवस पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों को थानावार विवरण निम्नांकित है

भारत संवाद

थाना को0शहर 03 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना को0कटरा पर 14 प्रार्थना पत्र प्राप्त 03 निस्तारित, थाना विन्ध्याचल पर 08 प्रार्थना पत्र प्राप्त 02 निस्तारित, थाना को0देहात पर 11 प्रार्थना पत्र प्राप्त 01 निस्तारित, थाना चील्ह पर 14 प्रार्थना पत्र प्राप्त 03 निस्तारित, थाना कछवां पर 06 प्रार्थना पत्र प्राप्त 01 निस्तारित, थाना पड़री पर 11 प्रार्थना पत्र प्राप्त 02 निस्तारित, थाना लालगंज पर 04 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना हलिया पर 07 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना जिगना पर 03 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना सन्तनगर पर 04 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना ड्रमण्डगंज पर 11 प्रार्थना पत्र प्राप्त 01 निस्तारित, थाना चुनार पर 04 प्रार्थना पत्र प्राप्त 01 निस्तारित, थाना अदलहाट पर 03 प्रार्थना पत्र प्राप्त 01 निस्तारित, थाना जमालपुर पर 04 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना अहरौरा पर 05 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना राजगढ़ पर 01 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना मड़िहान पर 06 प्रार्थना पत्र प्राप्त 01 निस्तारित, शेष मामलों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को रवाना किया गया ।

उत्तर प्रदेश को वर्ष 2027 तक बाल श्रम मुक्त करने हेतु कार्यशाला का किया गया आयोजन

भारत संवाद

मीरजापुर , उत्तर प्रदेश को वर्ष 2027 तक बाल श्रम मुक्त करने के संकल्प के क्रम में मण्डलायुक्त विन्ध्याचल बाल कृष्ण त्रिपाठी के नेतृत्व में यूनिसेफ के सहयोग से श्रम विभाग द्वारा मंडलीय कार्यशाला का आयोजन किया।कार्यशाला में मीरजापुर, भदोही और में सोनभद्र जिलों से आए प्रतिभागियों ने विन्ध्याचन मंडल को वर्ष 2027 तक बाल श्रम मुक्त करने हेतु कार्ययोजना तैयार की गई।कार्यशाला में राज्य कार्ययोजना के अनुसार विन्ध्याचल मंडल के सभी जिलों में बाल श्रम उन्मूलन हेतु जिला कार्य योजना पर भी चर्चा की गई कार्यशाला में मीरजापुर, भदोही और सोनभद्र के शिक्षा, महिला कल्याण, श्रम, पुलिस, कौशल विकास, अल्पसंख्यक कल्याण, ग्रामीण विकास, बाल कल्याण समिति, जिला बाल संरक्षण इकाइयों (डीसीपीयू), चाइल्ड हेल्पलाइन और मानव तस्करी रोधी इकाइयों (एएचटीयू) (सीडब्ल्यूसी) के सदस्यों के साथ-साथ यूनिसेफ के अधिकारियों ने भी भाग लिया ।मण्डलायुक्त ने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि बच्चे किसी भी समाज का भविष्य होते हैं, और बाल श्रमिकों के बचाव और पुनर्वास के लिए उनके समग्र विकास और विकास के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए।

विकसित भारत के स्वप्न को साकार करेंगी आधुनिक तकनीकें - प्रोफेसर सत्यकाम

मुक्त विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के विज्ञान विद्याशाखा, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय एवं शुआट्स, नैनी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पाँच दिवसीय रिसेंट एडवांसेज इन रिसर्च टेक्निकः विकसित भारत 2047 विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का शनिवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यशाला में देश-विदेश के प्रतिष्ठित विद्वानों ने शोध की विविध तकनीकों एवं आधुनिक उपकरणों पर अपने व्याख्यान दिए। कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. सत्यकाम ने इसे ज्ञान-संवाद और युवा शोधकताओं को सक्षम बनाने वाली प्रेरक यात्रा बताया और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर शोधार्थियों को आगे बढ़ने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला ने शोध और नवाचार की दिशा में एक सशक्त मंच प्रदान किया है। हमारे शोधार्थियों और प्राध्यापकों ने आधुनिक तकनीकों जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, बायोटेक्नोलॉजी, कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग तथा अंतर्विषयी दृष्टिकोण पर गहन विमर्श किया। ये सभी साधन न केवल शोध की गुणवत्ता बढ़ाएंगे, बल्कि विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने में सहायक होंगे।उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय सदैव से उत्कृष्टता और नवाचार को प्रोत्साहित करता रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्यशाला से प्राप्त अनुभव और ज्ञान प्रतिभागियों को नए आयाम देंगे और 2047 तक भारत को वैश्विक शोध नेतृत्व की दिशा में अग्रसर करेंगे। उन्होंने शोधार्थियों से कहा कि आज के दौर में हमें किताबों से निकलकर बाहरी दुनिया में कदम रखने के लिए इन टूल्स को माध्यम बनाकर कार्य करने की आवश्यकता है जिससे हमारे शोध की गुणवत्ता बनी रहे। इस कार्यशाला ने शोध और नवाचार की नई संभावनाओं को उजागर किया है। यहाँ हुए विचार-विमर्श ने यह स्पष्ट किया है कि आधुनिक तकनीकें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव-प्रौद्योगिकी और अंतर्विषयी दृष्टिकोण हमारे भविष्य के शोध की दिशा तय करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो उमेश चंद्र, गणित विभाग, बनारस हिंदू वश्वविद्यालय, वाराणसी ने इस कार्यशाला की उपयोगिता और महत्त्व को बताया। उन्होंने कार्यक्रम संयोजक प्रो ए के मलिक को बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे कार्यशाला होती रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने हेतु नवीन और नवाचार शोधों, शोध पद्धतियों नई तकनीकी का प्रयोग कर किया जा सकता है।

हरितालिका तीज महोत्सव में जमकर झूमीं महिलाएं

प्रयागराज की पूर्व महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने आयोजित किया तीज महोत्सव

- गीत, संगीत एवं भजन के साथ ही भगवान शिव एवं माता पावर्ती की स्तुति कर अखंड सौभाग्य की कामना की
- हरितालिका तीज हमारी संस्कृति की धरोहरः अभिलाषा

भारत संवाद

हरितालिका तीज के उपलक्ष्य में शनिवार को टैगोर टाऊन स्थित बंशी भवन में प्रयागराज की पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी द्वारा तीज महोत्सव का आयोजन किया गया।जिसमें बड़ी संख्या में शामिल महिलाओं ने गीत, संगीत एवं भजन के साथ ही भगवान शिव एवं माता पावर्ती की स्तुति कर अखंड सौभाग्य की कामना की। पूर्व महापौर ने सभी महिलाओं को हरितालिका तीज व्रत की शुभकामनाएं दी।

पूर्व महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने कहा कि हरितालिका तीज हमारी संस्कृति की धरोहर है। तीज पर्व एक महत्वपूर्ण त्योहार है, जो महिलाओं की सांस्कृतिक और धार्मिक विशेषता को दशार्ता है। उन्हें सामाजिक सशक्तिकरण का अवसर भी प्रदान करता है।इसके माध्यम से महिलाएं अपने परिवारों और समाज के साथ मिलकर आनंद और सफलता का जीवन जीने के लिए प्रेरित होती हैं। इस मौके पर सज-धज कर पहुंची महिलाओं ने समारोह में मेंहदी लगवाए और तीज को लेकर सामूहिक गीत गाए। महिलाओं ने तीज महोत्सव में लोक गीत और नृत्य का भी आनंद लिया और गानों के माध्यम से मनोरंजन करती रहीं। प्रख्यात गायक विकास मिश्र एवं बरसाना परिवार की सदस्यों ने भजनों की प्रस्तुति की। इस दौरान महिलाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।सभी महिलाओं ने एक दूसरे को मेंहदी लगाकर तथा लोकगीतों पर थिरक कर पर्व बड़े उत्साह से मनाया। इस अवसर पर श्रीमती रंजना गुलाटी जी, शशि वार्ष्णेय, डॉक्टर वंदना बंसल जी एवं अन्य महिलाएं मौजूद रहीं।

प्रसिद्ध साइकिल धावक श्री योगेंद्र सिंह एवं श्री मदन अहलावत विद्यालय पधारे और खेल विभाग के छात्रों से हुए रूबरू

भारत संवाद

कैन्ट हाई स्कूल, न्यू कैन्ट प्रयागराज में आज खेल प्रेमियों के लिए विशेष अवसर रहा, जब प्रसिद्ध साइकिल धावक श्री योगेंद्र सिंह एवं श्री मदन अहलावत विद्यालय पधारे और खेल विभाग के छात्रों से रूबरू हुए। अपने संबोधन में मुख्यअतिथि ने विद्यार्थियों को खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित अभ्यास, अनुशासन और दृढ़ निश्चय ही सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने छात्रों को यह संदेश दिया कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं बल्कि टीम भावना, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच को भी विकसित करते हैं। विद्यालय परिवार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें सम्मानित किया।गौरतलब है कि श्री योगेंद्र सिंह लंदन एवं पेरिस साइकलिंग रेस में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके है, साथ ही सेंट्रल एशिया, श्रीलंका एवं समूचे भारत का साइकिल से भ्रमण किया है । इस अवसर पर विद्यालय समन्यवक श्री कैप्टन ए. के. सिन्हा , प्रधानाचार्य श्री

मो. अंसार एवं शिक्षकगण, खेल प्रशिक्षक उपस्थित रहे। छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिप्राप्त साइकिल धावक श्रीमान योगेंद्र सिंह एवं श्री मदन अहलावत से अपने अनुभव साझा किए और खेलों से जुड़ी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। माननीय अतिथियों द्वारा विद्यालय परिसर में चल रही शूटिंग अकादमी, कैंटोनमेंट बोर्ड क्रिकेट अकादमी, बॉक्सिंग अकादमी का निरीक्षण किया गया।

कलेक्ट्रेट कोषागार से पेंशन प्राप्त कर रहे पेंशनर्स, जिन्होंने अपना जीवित प्रमाण पत्र अभी तक अद्यतन नहीं कराया है, वे अपना जीवित प्रमाण पत्र करें जमा

- 80 वर्ष से अधिक उम्र के पेंशनर्स नियमानुसार अतिरिक्त पेंशन का लाभ लेने के लिए अपनी जन्मतिथि का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें
- दिवंगत हो चुके पेंशनर एवं पारिवारिक पेंशनर के वारिस जिनके द्वारा अब तक कोषागार को सूचित नहीं किया गया है, मृत्यु की सूचना उपलब्ध कराए

भारत संवाद

कलक्ट्रेट कोषागार प्रयागराज से पेंशन प्राप्त कर रहें ऐसे समस्त पेंशनरों/पारिवारिक पेंशनरों को सूचित किया जाता है कि जिन्होंने अपना जीवित प्रमाण पत्र अभी तक अद्यतन नहीं कराया है तथा जिस कारण उनकी पेंशन अवरूद्ध हो गयी है, उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे कोषागार के किसी भी कार्य दिवस में स्वयं उपस्थित होकर अथवा जिस बैंक के माध्यम से पेंशन प्राप्त कर रहें हैं उस बैंक के माध्यम से अथवा जीवन प्रमाण पोर्टल पर आनलाइन प्रकिया के माध्यम से अपने जीवित होने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने का कष्ट करें, जिससे कि सम्बन्धित पेंशनर / पारिवारिक पेंशनर की अवरूद्ध पेंशन का भुगतान अविलम्ब किया जा सके। ऐसे पारिवारिक पेंशनर जिनकी आयु 80 वर्ष से अधिक हो चुकी है उन्हें नियमानुसार अतिरिक्ति पेंशन का लाभ देय है। अतः ऐसे पारिवारिक पेंशनर अपनी जन्म तिथि का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने का कष्ट करें ।

भट्ट ब्राह्मण कुल में जन्मे पंडित राज कुमार शुक्ल जी की 150 वीं जयंती के पावन पर्व पर संगोष्ठी का आयोजन

भारत संवाद

प्रतापगढ़ , शहर से सटे कटरा रोड पर स्थित ग्राम पूरे बेदुआ, में वरिष्ठ लेखा परीक्षक राजेश शर्मा के आवास पर महान स्वतंत्रता सेनानी एवं चम्पारण सत्याग्रह के प्रेरणास्रोत पंडित राज कुमार शुक्ल जी की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पंडित राज कुमार शुक्ल जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी संगोष्ठी में मुख्य वक्ता अशोक शर्मा ने कहा कि पंडित राज कुमार शुक्ल ने 1916 में कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में महात्मा गांधी से भेंट कर उन्हें चम्पारण आने का आग्रह किया और उनके इसी प्रयास से 1917 में ऐतिहासिक चम्पारण सत्याग्रह आरंभ हुआ। यह आंदोलन किसानों को नील की जबरन खेती और अंग्रेजों के अत्याचार से मुक्ति दिलाने में मील का पत्थर साबित हुआ। साधारण किसान होते हुए भी शुक्ल जी असाधारण साहस और दृढ़ निश्चय के प्रतीक बने और स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान अविस्मरणीय है। वक्ताओं ने यह भी उल्लेख किया कि पंडित राज कुमार शुक्ल का जन्म भट्ट ब्राह्मण कुल में हुआ था, और उन्होंने अपने कुल की परंपरा के अनुरूप सत्य, साहस और न्याय के मूल्यों को आगे बढ़ाया। यही कारण है कि वे न केवल किसानों के मसीहा बने, बल्कि समूचे समाज के लिए प्रेरणास्रोत रहे। इस अवसर पर अशोक शर्मा, राजेश शर्मा, डॉ संजय शर्मा, प्रभात शर्मा, के0के0 शर्मा, नंद कुमार शर्मा, उदयराज तिवारी, राजेश भट्ट, सुनील शर्मा, देवनाथ राय, अतिथि शर्मा, तरुण शर्मा, अरविंद कुमार शर्मा, शिवम् शर्मा, परमानंद पांडेय, अजय शर्मा, सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे ।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

आज के दिन ही चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर भारत का नाम वैश्विक अंतरिक्ष इतिहास के स्वर्णाक्षरों में अंकित कर दिया।

भारत के वैज्ञानिकों के सामर्थ्य और गौरव का अद्भुत पर्व

भारत संवाद

ऋषिकेश। आज का दिन भारत के लिए एक ऐतिहासिक संकल्प की पुनः स्मृति है। 23 अगस्त वर्ष 2023 को भारतीय वैज्ञानिकों ने वह करिश्मा कर दिखाया, जिसने सम्पूर्ण विश्व को भारत के अदम्य साहस, शोध क्षमता और वैज्ञानिक प्रतिभा का लोहा मानने के लिए बाध्य कर दिया। आज के दिन ही चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर भारत का नाम वैश्विक अंतरिक्ष इतिहास के स्वर्णाक्षरों में अंकित कर दिया।

यह सफलता मात्र एक वैज्ञानिक उपलब्धि ही नहीं थी, बल्कि यह नए भारत के आत्मविश्वास, सामर्थ्य और वैश्विक नेतृत्व की उद्घोषणा भी थी। भारत विश्व का पहला राष्ट्र बना जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुप पर सॉफ्ट लैंडिंग की। यह मिशन भारत के वैज्ञानिकों की निष्ठा, तपस्या और राष्ट्रप्रेम का जीता-जागता उदाहरण है।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के सम्मान में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। आज दिन हर भारतीय के लिए प्रेरणा का पर्व है जो हमें यह स्मरण कराता है कि सीमित संसाधनों के बावजूद अनंत परिश्रम और असीम संकल्प से असंभव भी संभव बन सकता है। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस हमारे वैज्ञानिकों के अभिनंदन का अवसर है, यह 75 वर्षों की स्वतंत्रता के उपरांत आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का भी प्रतीक है। इसरो के वैज्ञानिकों ने जिस समर्पण के साथ कार्य किया, वह भारतीय संस्कृति के कर्मयोग की अद्भुत मिसाल है। दिन-रात की साधना, कठिन परिस्थितियों में धैर्य और निरंतर प्रयास ने चंद्रयान-3 को ऐतिहासिक सफलता दिलाई। भारत के वैज्ञानिकों ने यह दिखाया कि भारत केवल विज्ञान का उपभोक्ता नहीं, बल्कि वैश्विक विज्ञान का निमार्ता और मार्गदर्शक भी है।

चंद्रयान-3 की सफलता के साथ भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हुआ, जिन्होंने चंद्रमा की सतह पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग की है। परंतु दक्षिणी ध्रुव पर उतरने का गौरव केवल भारत को प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि भारत को अंतरिक्ष अनुसंधान में वैश्विक नेतृत्व प्रदान करती है। आज भारत न केवल अपने अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए विख्यात है, बल्कि विश्वभर के राष्ट्रों के लिए एक विश्वसनीय साझेदार और प्रेरणास्रोत बन चुका है। यह दिन हर भारतीय को स्मरण कराता है कि हमारे वैज्ञानिक ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारत विश्व पटल पर नई ऊँचाइयाँ छू रहा है। युवा पीढ़ी को यह दिवस प्रेरित करता है कि वे विज्ञान, प्रौद्योगिकी और शोध में अपनी प्रतिभा लगाएँ और भारत को विश्वगुरु बनाने में योगदान दें।

भारत की वैज्ञानिक प्रगति केवल आधुनिक प्रयोगशालाओं का परिणाम नहीं है, बल्कि यह हमारे सनातन संस्कारों और ऋषि-परंपरा की विरासत से जुड़ा है। हमारे वेदों और उपनिषदों में भी ब्रह्मांड, ग्रहों और खगोल विज्ञान का गहन विवेचन मिलता है। चंद्रयान-3 की सफलता इसी ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का अद्भुत संगम है।

आइए, इस पावन अवसर पर हम सभी उन महान वैज्ञानिकों का अभिनंदन करें, जिन्होंने राष्ट्र को अंतरिक्ष की ऊँचाइयों तक पहुँचाने का मार्ग दिखाया। यह दिवस हर भारतीय के लिए गौरव, कृतज्ञता और प्रेरणा का पर्व है।

अनफीडिंग वर्ल्ड बैंक द्वारा जरूरतमंदों को मिलेगा निःशुल्क ऋण व आवास सहायता

भारत संवाद

मीरजापुर - अपर निदेशक अन-फीडिंग वर्ल्ड बैंक आर0एन0 गर्ग ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया है कि अन-फीडिंग वर्ल्ड बैंक एक अर्न्तराज्यीय परियोजना है, जो गैर संगठित क्षेत्रों के सभी किसानों, स्वयं सहायता समूहों, महिलाओं एवं अन्य सभी जरूरतमंद समूहों को, सीएसआर वेलफेयर फन्ड से, अनफीडिंग वर्ल्ड बैंक जीरो डिपोजिट आरडी-एकाउन्ट के द्वारा, उनके सभी चिकित्सा, शिक्षा, निश्चित रोजगार प्रशिक्षण एवं अन्य आवश्यक चयनित बिलों के भुगतान, एवं छोटे घरों के लिये 2.40 लाख रू0, तथा किसी भी आवश्यकता के लिये, बिना ब्याज के ऋण, बिना किसी औपचारिकता के, कैश सहायता के रूप में, दुनिया में पहली बार बिल्कुल फी, उपलब्ध करा रही है। प्रस्तावित, अन-फीडिंग वर्ल्ड बैंकों के लिये, सभी कार्य केवल, अन्तर्राज्यीय फन्डिंग एजेन्सी, अन-फीडिंग वर्ल्ड बैंक परियोजना, द्वारा किये जायेंगे। भारत सरकार के, आत्मनिर्भर भारत अभियान के अन्तर्गत, सभी जरूरतमंद लोगों के लिए, अन-फीडिंग वर्ल्ड बैंक परियोजना का, केन्द्रीय मंत्रो, आवास एवं शहरी मामले मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा विकास भवन लखनऊ के सभागार में शासन, प्रशासन, मीडिया एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति में दीप जलाकर भव्य शुभारम्भ किया गया था, तथा जिला प्रशासन द्वारा पत्रों के माध्यम से सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक सहयोग करने के लिए निर्देशित किया जा चुका है, तथा दिनांक-20.04.2025 को, होटल ताज, गोमती नगर, लखनऊ, में राज्य मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, द्वारा अनफीडिंग वर्ल्ड बैंक परियोजना का शुभारम्भ किया गया है। अनफीडिंग वर्ल्ड बैंक परियोजना, आर्थिक रूप से कमजोर लोगों एवं महिलाओं के सहायतार्थ उनको, सीएसआर वेलफेयर फन्ड से, छोटे घरों के लिये 2.40 लाख रू0 एवं किसी भी आवश्यकता के लिये, बिना ब्याज के ऋण, बिना किसी औपचारिकता के, कैश सहायता के रूप में, उपलब्ध कराने के लिये विशेष रूप से संचालित की जा रही है। तथा किसी भी लाभार्थी से कोई भी अग्रिम राशी अथवा कोई भी सुविधा शुल्क नहीं लिया जा रहा है। इसीलिए परियोजना की स्कीमों के सम्बन्ध में किसी भी दावें एवं किसी भी दुष्प्रचार अथवा कानूनी कार्यवाही को, पूर्णतया गैरकानूनी माना जायेगा, तथा कोई भी विवाद होने पर, परियोजना का निर्णय अन्तिम एवं मान्य होगा। चयनित लाभार्थियों को, छोटे घरों के लिये 2.40 लाख रू0 एवं बिना किसी ब्याज के ऋण उपलब्ध कराने एवं उसकी रिकवरी के लिए, अनफीडिंग वर्ल्ड बैंक परियोजना के प्रबन्धन के लिए, प्रथम चरण में, उत्तर प्रदेश के समस्त विकासखण्डों में, आउटसोंसिग एजेन्सियों एवं लोन आफीसरों की नियुक्तियों, नियमानुसार, अनुबन्ध के आधार पर की जा रही है।

विद्यार्थियों के करियर विकास के लिए वेबिनार का आयोजन

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से दो महत्वपूर्ण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। पहले वेबिनार का विषय एआई और ऑटोमेशन आपके करियर को कैसे आकार देंगे रहा। इसमें ऊनो मिंडो की वरिष्ठ एचआर अमृता सिंह, आईबीएम के पार्टनर वेंकेट राघव और एटी एंड टी इंडिया के तकनीकी निदेशक सुखजीत सिंह मुख्य वक्ता रहे। उद्योग जगत के इन विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को एआई और ऑटोमेशन से जुड़ी अहम जानकारियां दीं और भविष्य के करियर अवसरों पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में लिंक्डइन प्रोफाइल ऑप्टिमाइजेशन और नौकरी खोज रणनीति विषय पर कार्यशाला भी आयोजित की गई। इसका संचालन एचआर विशेषज्ञ अविनाश शिवकुमार ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को मजबूत पेशेवर ब्रांड बनाने और आधुनिक नौकरी खोज तकनीकों को अपनाने के व्यावहारिक उपाय बताए। इन दोनों सत्रों ने विद्यार्थियों को करियर विकास के लिए मूल्यवान मार्गदर्शन और सीखने का शानदार अवसर प्रदान किया। टी एंड पी प्रभारी डा. विपिन कुमार ने आभार व्यक्त किया।

टैरिफ नीति पर भारत का हर निर्णय देशहित को ध्यान में रखकर होना चाहिए: कुलपति

मंगलायतन विश्वविद्यालय में अमेरिकी टैरिफ नीतियों पर हुई पैनल चर्चा

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड कॉमर्स द्वारा वैश्विक परिदृश्य में चर्चित मुद्दे टैरिफ या व्यापार युद्ध? अमेरिकी टैरिफ वृद्धि के वैश्विक प्रभावों को समझना विषय पर एक महत्वपूर्ण पैनल चर्चा का आयोजन कुलपति सभागार में किया गया। इस समूह चर्चा की अध्यक्षता कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने की। चर्चा के दौरान प्राध्यापकों, अधिकारियों और विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए अमेरिका की टैरिफ नीतियों के वैश्विक प्रभावों पर विचार-विमर्श किया। इस चर्चा ने न केवल अमेरिका की नीतियों के वैश्विक प्रभावों पर प्रकाश डाला, बल्कि भारत की संभावनाओं और चुनौतियों पर भी गहन चिंतन का अवसर प्रदान किया। कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने अपने संबोधन में कहा कि हमें अमेरिका पर नहीं, बल्कि भारत पर केंद्रित होकर चर्चा करनी चाहिए। अमेरिका की नीतियों को लेकर चिंतित होने की बजाय हमें अपनी रणनीति और ताकत पर विश्वास करना होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका की वर्तमान बौखलाहट अंततः उसकी हार में बदल जाएगी। हमें कहीं झुकने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ना चाहिए। युद्धों के बाद भी व्यापार चलता रहता है और भारत अपने प्रतिद्वंद्वियों को उचित जवाब दे रहा है। आज हमें बढ़ते देखकर पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है, जबकि हमारे पड़ोसी देश हमारी प्रगति से असहज हैं। भारत का हर निर्णय देशहित को ध्यान में रखकर होना चाहिए। हमें अपनी सेना और सरकार पर पूर्ण विश्वास रखना चाहिए। 140 करोड़ की जनसंख्या हमारे लिए सबसे बड़ी शक्ति है, जो भारत को तेजी से प्रगति की ओर ले जाएगी। कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह ने कहा कि आज पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री की बात दोहराते हुए कहा कि आज का समय युद्ध का नहीं है। अमेरिका अक्सर अपने हथियारों की बिक्री के लिए युद्ध का माहौल बनाता है, जबकि भारत शांति और विकास का पक्षधर है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा ने अमेरिका की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि ट्रंप की नीतियां विश्व के लिए खतरा बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि भारत को इस विषय पर स्पष्ट रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। हमें चीन-पाकिस्तान के साथ संबंधों को वास्तविकता की दृष्टि से देखना होगा।

फास्ट ट्रैक

ग्रामीणों ने पकड़ा एटीएम धोखेबाज, मंझनपुर पुलिस ने शुरू की जांच

भारत संवाद

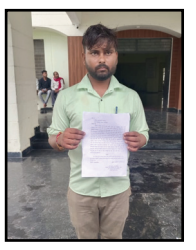

कौशाम्बी, 23 अगस्त 2025: मंझनपुर थाना क्षेत्र के धरमुर्हापुर मजरा सेलरहा पूरब निवासी प्रदीप कुमार के साथ 19 अगस्त 2025 को हुई 39,000 रुपये की धोखाधड़ी के मामले में ग्रामीणों ने एक संदिग्ध धोखेबाज को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। प्रदीप कुमार ने बताया कि 19 अगस्त को दोपहर करीब 2:30 बजे वह पंजाब एंड सिंध बैंक के एटीएम से पैसे निकालने गए, लेकिन पैसे नहीं निकले। इसके बाद वह बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम पर पहुंचे, जहां एक अज्ञात व्यक्ति ने झांसा देकर उनका एटीएम कार्ड ले लिया और रानू नाम के एक डेबिट कार्ड से छेड़छाड़ कर उनके खाते से चार किस्तों में 39,000 रुपये निकाल लिए। प्रदीप को मोबाइल पर मैसेज मिलने पर धोखाधड़ी का पता चला। प्रदीप ने 20 अगस्त को मंझनपुर थाने में लिखित शिकायत दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद ग्रामीणों ने सक्रियता दिखाते हुए संदिग्ध को पकड़कर पुलिस को सौंपा। प्रदीप ने अपने शिकायती पत्र में एटीएम की फुटेज निकालकर आरोपी की तलाश करने की मांग की है, जिसमें रानू नामक डेबिट कार्ड की छायाप्रति और बैंक स्टेटमेंट भी संलग्न है। मंझनपुर थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने क्षेत्र में एटीएम धोखाधड़ी के प्रति लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी दी है।

पूर्व एमएलसी को मिली सुप्रीम कोर्ट से बडी राहत

बगैर सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन के कोई मुकदमा नहीं होगा दर्ज

भारत संवाद

सहारनपुर। पूर्व एमएलसी हाजी इकबाल को माननीय उच्चतम न्यायालय से बही राहत मिली है। अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि बगैर सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन के अब कोई भी मुकदमा दर्ज नहीं होगा। उक्त जानकारी पूर्व एमएलसी के अधिवक्ता संजय वर्मा के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए तत्काल रिहाई के आदेश दिए हैं और पुलिस प्रशासन को हिदायत दी है बिना सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के कोई भी नया मुकदमा दर्ज नहीं होगा। अधिवक्ता संजय वर्मा ने बताया कि हाजी इकबाल और उनके परिवार के मुकदमे को लेकर आज सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए हाजी इकबाल के परिवार को बड़ी राहत दी है- और सभी मामलों में जमानत देते हुए तत्काल जेल से बाहर निकालने के आदेश दिए है। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन को लेकर एसपी देहात सागर जैन से बात की गई तो उन्होंने कहा कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है।

आईसीसीसी में एआई तकनीक का उपयोग करें: नगरायुक्त

नगरायुक्त ने किया कंट्रोल रुम, आईजीआरएस पोर्टल व आईसीसीसी का किया निरीक्षण

सहारनपुर। नगरायुक्त शिपू गिरि ने आज शाम नगर निगम कंट्रोल रुम और आईसीसीसी का निरीक्षण किया। उन्होंने आईजीआरएस पोर्टल पर आने वाली शिकायतों और उनके निस्तारण की प्रगति की समीक्षा भी की। उन्होंने आईसीसीसी के कार्यो में एआई तकनीक का उपयोग करने को भी कहा।

नगरायुक्त शिपू गिरि ने कंट्रोल रुम प्रभारी व सहायक नगरायुक्त जेपी यादव के साथ कंट्रोल रुम का निरीक्षण करते हुए आईसीसीसी के साथ कंट्रोल रुम को इंटीग्रेटेड करने के लिए अनेक सुझाव दिए। उन्होंने शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने के लिए सॉफ्टवेयर को अपडेट कराने दिशा निर्देश दिए। उन्होंने आईसीसीसी में स्क्रीन पर गोगा महाड़ी व उसके निकट सरोवर की स्थिति का भी अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजनांतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारम्भ

प्रवीन कु. शर्मा संवादाता/भारत संवाद

अलीगढ़। उद्यान एवं प्रसंस्करण विभाग जवाहर पार्क अलीगढ़ द्वारा दो दिवसीय मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजनांतर्गत शुद्धतम एफपीओ के सहयोग से प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ प्रभारी राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र, अलीगढ़ तथा ग्राम प्रधान कासिमपुर द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। प्रशिक्षकों का स्वागत शुद्धतम एफपीओ की अध्यक्ष श्रीमती प्रीती सिंह व मनोज प्रताप, दिवांग लोधी, शुभम शर्मा, दिनेश कुमार द्वारा किया गया। वरिष्ठ विषय विशेषज्ञ एवं पूर्व प्रभारी फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र, आगरा द्वारा दो दिवसीय मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार व पीएमएफएमई योजना, खाद्य उद्योग नीति तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी गई। श्री वीरेंद्र सिंह, बबलू जी व जितेंद्र सिंह ने खाद्य प्रसंस्करण के प्रमुख विषयों पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया। अलीगढ़ जनपद के राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र प्रभारी श्री श्याम सुन्दर ने छोटे छोटे उद्योग लगाकर स्वरोजगार को बढ़ाने के क्रम मे विभाग द्वारा किये जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। तथा उक्त योजना द्वारा मिलने वाले 1 लाख रुपये तक के अनुदान के बारे मे सभी को जानकारी प्रदान की। लघु उद्योगों मे बड़ी, पापड़, अचार, चटनी, मुरब्बा, मसाले, टमाटर सॉस, बेकरी आदि को स्थापित कर बेरोजगारी को दूर किया जा सकता है। शुद्धतम एफ पी ओ की अध्यक्ष श्रीमती प्रीती सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र मे स्वयं के किये जा रहे प्रयासों व अनुभावों को सभी के समक्ष साझा किया साथ ही स्वयं गत वर्षों मे विभाग से प्रशिक्षण प्राप्त कर मिलेट्स के उत्पादों का प्रसंस्करण प्रारम्भ कर दिया है तथा एफपीओ के माध्यम से विस्तार कर रहीं है। श्रीमती सिंह ने स्वनिर्मित प्रसंस्कृत उत्पादों का प्रदर्शन भी किया जिसमे बाजरा, ज्वार, रागी से निर्मित लड्डू, नमकीन व बिस्कुट तथा अचार, पापड़ और चिप्स आदि उत्पाद थे। सभी का आभार वरिष्ठ समाज सेवक एड. एस.के.सिंह ने किया। प्रतिभागियों मे प्रमोद भारद्वाज, सपना, कुमकुम, उर्मिला, सोनू, यशपाल आदि 30 प्रशिक्षणर्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

वाह रे.! अपना कानपुर स्मार्ट सिटी

आखिरकार क्या कहना है अपने स्मार्ट सिटी प्लान का।

- हमारे प्यारे यशशवी नेता जी,
- बड़ी बड़ी व ऊंची-ऊंची बातें कर कहते हैं कि कानपुर को सिंगापुर बना देंगे!
- शहर की सड़कों को नेता जी, सिंगापुर भले ही सपनो में बना रहे हों लेकिन हकीकत में स्विमिंग पूल तो बना ही दिया है!
- सच में, जो मजा मॉनसून में गोवा के बीच पर नहीं आता, वो यहां की सड़कों पर आता है।

भारत संवाद

देखिए ना चित्र में यह मनमोहक नजारा कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र का है। उप्र आवास विकास कार्यालय से पनकी की तरफ आने वाले रोड से गुजरने के बाद बाद यशश्वी योगी जी के अनेक दिशा - निर्देशों के बाद भी आपको स्विमिंग पूल का आनन्द तो प्राप्त हो जाएगा। यह आनन्द मिलने का कारण शायद यही है कि यशस्वी योगी जी के गड्ढा मुक्त अभियान की हवा इसमें नहीं लग पाई। अगर गड्ढा मुक्त अभियान की हवा लग जाती तो स्विमिंग पूल का आनन्द मिलने से लोग वंचित हो जाते। यहां की सड़कों का स्वरूप तो ऐसा है कि आप बाइक पर चल रहे हों या फिर गंगा की बलखाती लहरों में नौका विहार कर रहे हों, कुछ फर्क ही पता नहीं चलता। अगर कोई गलती से इस सड़क से बाइक चलाकर निकल गया तो ये तो भगवान ही जाने कि वो अपनी मंजिल तक पहुंचेगा या किसी नए जलप्रपात की खोज करता दिखेगा। खैर, इन मनमोहक गड्ढों को सिर्फ गड्ढा कहना तो गड्ढों की तौहीन होगी, ये तो हमारी स्मार्ट सिटी के गौरव चिन्ह हैं। ऐसा भी मान सकते हैं कि ये गड्ढे नहीं, बल्कि आधुनिक कला के नमूने हैं जिन्हें देखकर हर कोई दांतो तले उंगली दबा लेगा। इन 'कलाकृतियों' का सम्मान हमें बाइक पर से गिरकर चोटिल होकर ही करना पड़ेगा। इसकी पुष्टि करने के लिए आपको हमारे कैमरे में कैद हुए पूरे वीडियो को देखना ही पड़ेगा। यहां की सड़कों पर चलना किसी साहसिक खेल से कम नहीं है। शायद इसीलिए अब तो लोगों ने बाइक चलाने के साथ-साथ तैरना भी सीखना शुरू कर दिया है। अन्त में अब तो एक ही प्रार्थना है कि हे प्रभु! कम से कम हमारी सड़कों को सड़क ही रहने दें, सौभाग्य से स्विमिंग पूल नहीं बनने दें।

नकली नोट गैंग का भंडाफोड़, 3 आरोपी गिरफ्तार

एसपी सिटी ने किया पत्रकार वार्ता में खुलासा

भारत संवाद

सहारनपुर। एसपी सिटी व्योम बिंदल ने आज पुलिस लाईन स्थित सभागार में पत्रकार वार्ता को नकली नोट गिरोह का भांडाफोड करते हुए तीन जालसाजों को थाना सदर बाजार पुलिस एवं स्वाट/सर्विलांस की संयुक्त टीम द्वारा गिरफ्तार करने की जानकारी दी। एसपी सिटी ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से कुल 2,59,000 (500 के नकली नोट), 6 मोबाइल फोन, 2 लैपटॉप, 1 प्रिन्टर, 1 फोटो कटर, लैपटॉप चार्जर, 20 कोरे सिक्योरिटी पेपर, 52 शीट विकृत नोट, 6 आधार कार्ड, 1 मोटरसाइकिल जावा व अन्य उपकरण बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त ऑनलाइन विदेशी साइट्स से सिक्योरिटी पेपर खरीदकर लैपटॉप व प्रिन्टर की मदद से नकली नोट तैयार करते थे। बाद में ये लोग फेसबुक व इंस्टाग्राम पर ग्राहकों को जोड़कर 500 रुपये का नकली नोट मात्र 250 रुपये में बेच देते थे। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि यह धंधा उन्हें तगड़ी कमाई करवा रहा था। गिरफ़्तार अभियुक्त नवीन पासवान पर पहले भी गोरखपुर के बडहतगंज थाना क्षेत्र में धोखाधड़ी व जालसाजी का मुकदमा दर्ज है। ये हुए गिरफ्तारशशी कुमार उर्फ सर्वेस उर्फ राहुल गुप्ता पुत्र रामविलास विश्वकर्मा निवासी ग्राम नगेलिनपुर पटारा, कानपुर नगर, नवीन पासवान पुत्र अनिल पासवान निवासी मुकुल द्वार बेलपार, थाना बडहतगंज, जनपद गोरखपुर, करनवीर पुत्र बलजीत कुमार निवासी गिल्लौर थाना रादौर, जनपद यमुनानगर (हरियाणा) गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक थाना सदर बाजार रोजन्त त्यागी, एच.एन.सिंह, प्रभारी निरीक्षक स्वाट टीम संजीव कुमार, एसआई सुनील कुमार, रविन्द्र सिंह, रविन्द्र धामा, सुरेशवीर सिंह, अमरीश कुमार, रणवीर सिंह, मुख्य आरक्षी कुलदेव, कपिल कुमार, सचिन कुमार शामिल रहे।

आम आदमी पार्टी(किसान प्रकोष्ठ)का धरना प्रदर्शन व ज्ञापन

भारत संवाद

अलीगढ़। अलीगढ की तहसील खैर पर आम आदमी पार्टी (किसान प्रकोष्ठ) द्वारा उत्तर प्रदेश के किसानों को हो रही खाद की किल्लत के विरोध में उपजिलाधिकारी कार्यालय में विरोध प्रदर्शन किया गया व महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया। कार्यक्रम में किसान प्रकोष्ठ के महासचिव नीरज छोंकर, यूथ विंग के प्रदेश उपाध्यक्ष तरुण आर्य, किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश मीडिया प्रभारी ऋषि सारस्वत, जिला अध्यक्ष आम आदमी पार्टी जिला अध्यक्ष संजीव कौशिक महिला विंग से रेनू बहन जी, किसान प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष कैप्टन विजेंद्र सिंह व महानगर अध्यक्ष कल्याण सिंह आदि मौजूद थे

इगलास थाना दिवस

भारत संवाद

अलीगढ़ ,इगलास कोतवाली सभागार में उपजिलाधिकारी पारितोष मिश्रा व पुलिस अधीक्षक महेश कुमार के संयुक्त नेतृत्व में थाना दिवस आयोजित।

कुल 5 शिकायतें दर्ज

3 शिकायतों का निस्तारण मौके पर

2 शिकायतें संबंधित अधिकारियों को प्रेषित

मौके पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र यादव, एसएसआई ऋषिपाल सिंह कसाना, उपनिरीक्षक राजकुमार सिंह, राजस्व निरीक्षक अवधेश कुमार सिंह एवं लेखपाल मकरध्वज सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रक्तदान शिविर जागरूकता रैली रवाना

सहारनपुर। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा जागरूक रैली का शुभारम्भ ब्रांच मुखी राजीव कुमार संचालक सुनील कुमार नें संयुक्त रूप से सेवादल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया ब्रांच मुखी राजीव कुमार ने कहा कि मानवमात्र के कल्याणार्थ हेतु निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन आशीर्वाद एवं उनके दिव्य मार्गदर्शन द्वारा ब्रांच सबदलपुर कुम्हारहेड़ा में संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन (संत निरंकारी मिशन का सामाजिक विभाग) द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मिशन के भक्तों द्वारा निःस्वार्थ भाव से रक्तदान किया जा रहा है।

उत्तर मध्य रेलवे

दिनांक : 21.08.2025

ई-निविदा निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, कोचिंग, प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे, द्वारा निम्न लिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं, निविदा बंद होने की तिथि के 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है-

ई निविदा सूचना संख्या : NCR-M-PRYJ-VB-PPL-11-25	निविदा सिस्टम : सिंगल पैकेट सिस्टम
कार्य का नाम : वाशिंग लाइन के साथ न्यूमेटिक पाइपलाइन की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग करना।	
कार्य का अनुमानित लागत रू में : 16,37,065.21	बिड सिक्योरिटी : 32,800
ई निविदा प्रपत्र का मूल्य : शून्य	कार्य की अवधि : 06 माह
IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि : 21.08.2025	
निविदा बंद होने की तिथि : 15.09.2025	न्यूनतम पात्रता मानदंड : इस निविदा में लागू नहीं है
ई निविदा सूचना संख्या : NCR-M-PRYJ-EPPFS-12-25	निविदा सिस्टम : सिंगल पैकेट सिस्टम
कार्य का नाम : प्रयागराज और कानपुर कोचिंग डिपो के एलएचबी कोचों में ईपीपीएफएस को अंडरस्लंग से ऑनबोर्ड में स्थानांतरित करने के लिए संशोधन।	
कार्य का अनुमानित लागत रू में : 73,85,856	बिड सिक्योरिटी : 1,47,700
ई निविदा प्रपत्र का मूल्य : शून्य	कार्य की अवधि : 12 माह
IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि : 21.08.2025	
निविदा बंद होने की तिथि : 15.09.2025	न्यूनतम पात्रता मानदंड : इस निविदा में लागू है

नोट : 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगा। 2. ऑनलाइन ई-निविदा केवल IREPS वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि के 15:00 बजे तक ऑनलाईन जमा की जा सकती है। 3. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। 4. किसी भी प्रकार की तकनीकि समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1514/25 (C)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन

भारत संवाद

सहारनपुर। शोभित विश्वविद्यालय गंगोह में आज स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, स्कूल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज एवं स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग एंड साइंसेज विभाग द्वारा द्वितीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष अंतरिक्ष दिवस की थीम ष्आर्यभट्ट से गगनयानरू प्राचीन ज्ञान से अनंत संभावनाएँरू भारत की अंतरिक्ष गाथाष रही। चंद्रयान-3 मिशन भारत का तीसरा चंद्र मिशन था, यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (प्ैत्व) द्वारा 14 जुलाई 2023 को लॉन्च किया गया। विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर के साथ, इस मिशन ने 23 अगस्त 2023 को चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरकर इतिहास रचा था। इस उपलब्धि के उपलक्ष में प्रतिवर्ष इस दिन को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाया जाना निश्चित किया गया था।

कार्यक्रम का शुभारंभ पुरे विधि विधान से शोभित विश्वविद्यालय गंगोह के कुलपति प्रो.(डॉ.) रणजीत सिंह, कुलसचिव प्रो.(डॉ.) महिपाल सिंह एवं प्रो.(डॉ.) जसवीर सिंह राणा, प्रो.(डॉ.) राजीव दत्ता, डॉ. नवीन कुमार, अनिल जोशी, अजय शर्मा ने मां सरस्वती एवं बाबू विजेंद्र कुमार जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया।

इस अवसर पर शोभित विश्वविद्यालय गंगोह के कुलपति प्रो.(डॉ.) रणजीत सिंह ने कार्यक्रम के आयोजकों को अनेक शुभकामनाएं देते हुए अपने उद्धबोधन में कहा कि राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस कोई साधारण उत्सव की तरह आयोजित नहीं किया जाता है, बल्कि इसका उद्देश्य इससे जुड़े संगठन का सम्मान करना है जिसने इस मिशन को अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में अग्रणी बनाया है। यह समाज और सतत विकास के लाभ के लिए अंतरिक्ष विज्ञान का उपयोग करने के प्रति देश के समर्पण को दशार्ता है।

इस अवसर पर कुलसचिव प्रो.(डॉ.) महिपाल सिंह ने सर्वप्रथम कार्यक्रम के आयोजकों को अनेक शुभकामनाएं दी और कहा कि यह दिन न केवल हमारे अंतरिक्षीय इतिहास को स्मरण करने का अवसर है, बल्कि यह भारत द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र में स्थापित अनेक कीर्तिमानों को सम्मानपूर्वक याद करने का भी दिन है।

कार्यक्रम के अंत में अनिल जोशी ने कुलपति प्रो.(डॉ.) रणजीत सिंह, कुलसचिव प्रो.(डॉ.) महिपाल सिंह एवं कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्यों का धन्यवाद एवं आभार प्रेषित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकगण, प्रो.(डॉ.) एस. के. पाठक, प्रो.(डॉ.) प्रशांत कुमार, डॉ. विश्वास सैनी, अजय शर्मा, हामिद अली, संदीप कुमार, महेंद्र कुमार, अंशिका, कामना शर्मा, अनिमेष, अब्दुल्ला, आदि शिक्षकगण उपस्थित थे।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

सरसों की फसल में लगने वाले मुख्य कीट एवं उनका नियंत्रण

देश में रबी फसलों में सरसों की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है, सोयाबीन, मूंगफली के बाद सरसों की खेती देश भर में सबसे ज्यादा होती है। खाद्य तेल के रूप में सरसों की मांग अधिक रहने के कारण पिछले कुछ वर्षों से किसानों को सरसों की खेती से अच्छा मुनाफा हो रहा है। सरसों का अच्छा उत्पादन कई कारणों पर निर्भर करता है जैसे मिट्टी, जलवायु, बीज, रोग तथा कीट। कीट एवं रोगों का प्रभाव सीधे सरसों के उत्पादन पर होता है इसलिए किसानों को समय पर इनकी पहचान कर उन पर नियंत्रण पाना आवश्यक है।

सरसों की फसल में समय-समय पर विभिन्न कीट एवं रोग काफी नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे उपज में कमी आती है। यदि समय रहते इन रोगों एवं कीटों का नियंत्रण कर लिया जाए तो सरसों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। चेंपा या माहू, आरामक्खी, चितकबरा कीट, मटर का पर्ण सुरंगक कीट आदि सरसों के मुख्य कीट हैं।

सरसों का माहूं (चैपा /मोयला /एफिडा) कीट

सरसों का माहू छोटा, लंबा व कोमल शरीर वाला कीट है। प्रौढ़ माहूं दो अवस्थाओं में पाया जाता है-पहला पंखरहित और दूसरा पंखसहित। पंखरहित प्रौढ़ 2 मि.मी. लंबे, गोलाकार व हरे रंग के या हल्के हरे पीले रंग के होते है। पंखसहित प्रौढ़ पीले उदर वाले व पंख पारदर्शी होते हैं। शिशु पंखरहित अवस्था के समान होते हैं, परन्तु आकार में छोटे होते हैं। दो नलीनुमा संरचनाएं (कोर्निक्ल्स) उदर के अंतिम भाग में उपस्थित होती है।

हानि के लक्षण

ये कीट प्राय-दिसम्बर के अन्तिम सप्ताह में प्रकट होते हैं और मार्च के अंत तक सक्रिय रहते हैं और मार्च के अंत तक विभिन्न भागों जैसे - पुष्पक्रम, पत्ती, तना, टहनी व फलियों से रस चूसकर नुक्सान पहुंचाते हैं। ये कीट समूहों में रहते हैं व तीव्रता से वंशवृद्धि करते हैं। माहूं पहले फसल की वानस्पतिक कलिका पर प्रकट होते हैं व धीरे-धीरे पुरे पौधे को ढक लेते हैं। ये कीट मधुस्राव निकालते हैं और पौधों पर काले कवक का आक्रमण हो जाता है। तना व पत्तियाँ काली हो जाती हैं, जिससे प्रकाश संश्लेषण में बाधा आती है। इस प्रकाश यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। बादालयुक्त व ठंडा मौसम वंशवृद्धि के लिए अत्यंत उपयुक्त होता है।

समन्वित कीट प्रबंधन

जहाँ तक संभव हो सरसों की बुआई 15 अक्टूबर तक कर देनी चाहिए, इससे फसल माहूँ के प्रकोप से बच जाती है। उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा का ही प्रयोग करना चाहिए।

माहूँ के प्राथमिक आक्रमण पर 10 दिनों के अन्तराल पर 2-3 बार माहूँ ग्रसित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर देने से माहूँ की वंशवृद्धि को कम किया जा सकता है।

फसल में कम से कम 10 प्रतिशत पौधे माहूँ से ग्रसित हों तथा प्रत्येक पौधे पर 26 से 28 माहूँ हों, तभी छिड़काव करना चाहिए।

ऑक्सी-डेमेटान मिथाइल (मेटासिस्टाक्स) 25 पायस सांद्रण अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण अथवा मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्र को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें

अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। यदि दोबारा से कीट का प्रकोप हो तब 15 दिनों के अन्तराल से पुनः छिड़काव करें।

यह भी पढ़ें कृषि शक्ति योजना-मध्यप्रदेश

सरसों की आरा मक्खी

इस कीट की प्रौढ़ मक्खी 8-11 मि.मी. लंबी, पीले-नारंगी रंग की ततैया की तरह होती है। इसके पंख धूसर रंग के व काली शिरायें लिए हुए होते हैं। इसका अंडरोपक दांतेदार व आरिनुमा होता है इसलिए इसे आरा मक्खी कहते हैं। सर व टाँगे काली होती है। इसकी सुंडी गहरे हरे रंग की होती है, जिसकी पीठ पर पांच लंबवत धारियां होती है।

हानि के लक्षण

यह कीट मुख्य रूप से फसल की पौधावस्था (अक्टूबर-नवंबर) में ही नुक्सान पहुंचाता है। सूंडी, पत्तियों को काटकर उनमें अनियमित आकार के छेद कर देती हैं। अधिक प्रकोप की अवस्था में पौधे को कंकालित कर देती हैं। फसल में आक्रमण पौधावस्था में अधिक होता है और 3-4 सप्ताह पुरानी फसल में ज्यादा नुक्सान होता है। मध्य जलवायु और कम आर्द्रता इसकी वंशवृद्धि के लिए अनुकूल है।

समन्वित कीट प्रबंधन

स्वच्छ कृषि क्रियाएं (खरपतवार नियंत्रण, वैकल्पिक पोषक पौधे व फसल अवशेषों आदि को नष्ट करना) अपनाना चाहिए।

गर्मियों के दिनों (मई-जून) में खेत की मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

फसल लगभग एक माह की हो जाए तब सिंचाई करनी चाहिए। इससे इस कीट की सूंडी पानी में डूबकर मर जाती है।

इस कीट के प्रकोप की अवस्था में मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करना चाहिए।

मटर का पर्ण सुरंगक कीट

प्रौढ़ मक्खी छोटी काले रंग की होती है और इसका सिर पिला होता है। प्रौढ़ मक्खी की लंबाई 1.5 मि.मी., पंख विन्यास लगभग 4 मि.मी. व घरेलू मक्खी के समान परन्तु आकार में छोटी होती है। नए मेगेट्स कीट धूसर सफेद रंग के होते हैं और इनके मुखांग काले भूरे रंग के होते हैं। पूर्ण विकसित कीट हरा पीला रंग का लगभग 3 मि.मी. चौड़ा, जिनका मध्य भाग मोटा और आगे से चपटा होता है। कीट पत्ती में सुरंग के अंदर रहता है और सुरंग में ही कृमिकोष में चला जाता है।

हानि के लक्षण

पौधे की पत्तियों में प्रौढ़ मादा के अन्डरोपक से अंडे देने के लिए छोटे-छोटे छेद करती है। प्रौढ़ मादा व नर इन छेदों से निकलने वाले रस को चूसते हैं। ये कीट पत्ती के पैरेनकाइमा ऊतकों को खाकर टेढ़ी-मेढ़ी सुरंग बनाते हैं। अत्यधिक ग्रसित पत्तियां पीली होकर गिर जाती है व उपज पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। अधिक प्रकोप की दशा में ग्रसित पत्तियां छितर जाती हैं। पौधों का ओज प्रभावित होता है और पुष्पं एवं फलन गतिविधियाँ प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप प्राय-पुरानी पत्तियों पर अधिक होता है।

समन्वित कीट

ग्रसित पत्तियों को तोड़कर जमीन में दबा देना चाहिए, ताकि पत्तियों में छिपे

समन्वित कीट प्रबंधन

खेत में साफ़-सफाई रखनी चाहिए। खेतों के आसपास खरपतवार तथा फसल अवशेषों को नष्ट कर देना चाहिए।

खेतों की गर्मियों के दिनों (मई-जून) में मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

बुआई के 3-4 सप्ताह बाद यदि संभव हो, तो पहली सिंचाई कर देनी चाहिए।

पौधावस्था में इस कीट का आक्रमण होने पर क्यूनालफॉस 10 प्रतिशत अथवा मैलाथियान 5 प्रतिशत धुल की 20-25 किलोग्राम मात्रा प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

अत्यधिक प्रकोप की अवस्था में मेलाथियान 50 पायस अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण की एक लीटर अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. की 150 मि.ली.मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।

फसल का रंग सुनहरा होने पर ही कटाई कर लेनी चाहिए। फसल की जल्द से जल्द मड़ाई कर लेनी चाहिए, जिसमें अधिक हानि न हो व पादप अवशेषों को तुरंत नष्ट कर देना चाहिए।

कीट व कृमिकोष नष्ट हो जाएं।

ऑक्सी-डेमेटोन मिथाइल 25 पायस सांद्रण या डाइमिथोएट 30 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

चितकबरा कीट

प्रौढ़ कीट के शरीर के ऊपर काले व चमकीले नारंगी रंग के धब्बे होते हैं। प्रौढ़ 6.5-7.0 मि.मी. चौड़ा व पूर्ण विकसित शिशु 4 मि.मी. लंबा व 2.6 मि.मी. चौड़ा होता है। इन पर भूरी धारियां पाई जाती हैं। पहली व दूसरी अवस्था शिशु कीट का रंग चमकीला नारंगी और तीसरी व चौथी अवस्था का रंग लाल होता है। मुखांग चुभाने-चूसने वाले एवं पश्चोंमुखी होते हैं।

हानि के लक्षण

ये कीट फसल के छोटे-छोटे पौधों को या पौध अवस्था में अधिक नुक्सान पहुंचाते है। शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही पौधे की पत्तियों एवं प्ररोह से रस चूसकर हानि पहुंचाते हैं। फसल की दो पत्ती अवस्था में नुक्सान होने पर ग्रसित उपरी भाग मुरझाकर सुख जाता है। वानस्पतिक अवस्था में प्रकोप के समय पत्तियों पर सफेद धब्बे हो जाते हैं। पौधे का विगलन हो जाता है व पौधे पूर्णत-सुख जाते हैं। दोनों मामलों में फसल की दोबारा बुआई आवश्यक हो जाती है। यह कीट फली बनने व पकने की अवस्था में भी आक्रमण करता है, जिससे फलियाँ व दाने सिकुड़ जाते हैं। खलिहानों में कटी हुई फसल पर इन कीटों का आक्रमण व हानि को देखा जा सकता है। इस प्रकार यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। मध्यम तापमान 20 से 40 डिग्री सेल्सियस व कम आर्द्रता इस कीट के गुणन के लिए उपयुक्त है।

अधिक लाभ के लिए करें बेबीकॉर्न की खेती

कृषि क्षेत्र में किसान नई फसलों एवं नई किस्मों की वैज्ञानिक तरीके से खेती कर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। कृषि के क्षेत्र में फसलों का चयन बाजार मांग के आनुसार करना चाहिए, जिससे किसानों को उचित भाव मिल सकें। आज के समय में लोगों के बीच स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के साथ बेबीकॉर्न की खपत में निरंतर वृद्धि हो रही है। इस वजह से इस फसल का बाजार मूल्य भी अधिक है एवं इससे बहुत से उत्पाद बनाए जाते हैं।

बेबीकॉर्न मक्का की ही एक प्रजाति है, लेकिन इसकी उपयोगिता के आधार पर बेबीकार्न नाम दिया गया है। बाजार में मांग के अनुसार किसानों के बीच खेती की प्रतिस्पर्धा बनी हुई है। पौधे का अनिषेचित भुट्टा होता और रेशमी बाल (सिल्क) निकलने के 2-3 दिनों के अंदर तोड़कर उपयोग में लाया जाता है। यह काफी मुलायम होता है। समय बढने के साथ इसकी गुणवत्ता में गिरावट आती जाती है।

बेबीकॉर्न से होने वाले लाभ

यह एक स्वादिष्ट व पौष्टिक आहार है, पत्तियों में लिपटा होने के कारण यह कीटनाशक दवाइयों के प्रभाव से मुक्त होता है। इस कारण यह स्वास्थ्य की द्रष्टि से एकदम सुरक्षित है। बेबीकॉर्न का उपयोग सलाद, सूप, सब्जी, अचार एवं कैंडी, पकौड़ा, कोफ्ता, टिक्की, बर्फी, लड्डू, हलवा, खीर इत्यादि के रूप में होता है। बेबीकॉर्न में फास्फोरस भरपूर मात्रा उपलब्ध होता है। इसके लिए अतिरिक्त इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्सियम, लौह व विटामिन भी उपलब्ध हैं। कोलेस्ट्रोल रहित होने एवं रेशों की अधिकता के कारण यह एक निम्न कैलोरीयुक्त आहार है। यह ह्रदय रोगियों के लिए काफी लाभदायक है।

मृदा का चयन एवं खेती की तैयारी

बेबीकॉर्न की खेती के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त दोमट मृदा अच्छी होती है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा शेष जुताई देसी हल/रोटावेटर या कल्टीवेटर द्वारा करके पाटा लगाकर खेत को तैयारी कर लेना चाहिए। बुआई के समय खेत में पर्याप्त नमी के साथ-साथ खेत पलेवा करके तैयार करना चाहिए।

बुवाई समय एवं विधि

उत्तर भारत में बेबीकार्न फरवरी से नवंबर के मध्य कभी भी बोया जा सकता है। बुवाई मेड़ों के दक्षिणी भाग में करनी चाहिए तथा मेड़ से मेड़ एवं पौधे से पौधे की दुरी 60 से.मी. म 15 से.मी. रखनी चाहिए। विभिन्न किस्मों के बीजों के आकार के अनुसार प्रति हैक्टेयर 22-25 किलोग्राम बीज दर उपयुक्त होती है।

उर्वरक प्रबंधन

अच्छी उपज के लिए उर्वरक का सही उपयोग होना चाहिए। फास्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं 1/3 भाग नाईट्रोजन, बुआई के समय एवं 1/3 भाग बुआई के 25 दिनों बाद तथा शेष 1/3 भाग नाईट्रोजन 40 दिनों बाद डालना चाहिए। फॉस्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं द भाग नाईट्रोजन बुआई के समय, द भाग नाईट्रोजन बुआई के 25 दिनों के बाद द भाग 60-80 दिनों के उपरांत तथा शेष नाईट्रोजन 80-110 दिनों के बाद देनी चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

पहली निराई-गुडाई बुआई के 15-20 दिनों बाद तथा दूसरी 30 से 35 दिनों बाद अवश्य करनी चाहिए। इससे जड़ों में हवा का संचार होता है और ये दूर तक फैलकर भोज्य पदार्थ एकत्र करके पौधों को देती हैं। सीमाजीन 105 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर को 500-600 लीटर पानी में घोलकर बीज के अंकुरण के पूर्व खेत में छिडकाव करने से खरपतवार नहीं जमते और फसल तेजी से बढती है।

बेबीकॉर्न की तुड़ाई का सही समय

मक्के की बेबीकार्न की गुल्ली को 3-4 से.मी. सिल्क (जीरा) आने पर तोड़ लेना चाहिए। गुल्ली तुडाई के समय ऊपर की पत्तियों को नहीं हटाना चाहिए। पत्तियों को हटाने से ये जल्दी खराब हो जाती है। रबी में एक दो दिन छोड़कर गुल्ली की तुडाई करनी चाहिए। एकल क्रांस संकर मक्का में 3- 4 तुड़ाई जरुरी है।

कितनी उपज प्राप्त होगी

इस तरह खेती करने से बेबीकॉर्न की छिलकारहित उपज 15-20 क्विंटल प्रति हैक्टेयर प्राप्त होती है। इसके अलावा 200-250 क्विंटल प्रति हैक्टेयर हरा चारा भी मिल जाता है। बेबीकार्न का छिलका तुडाई के दिन उतारकर प्लास्टिक की टोकरी, थैली या कंटेनर में रखकर तुरंत मंडी में पहुंचा देना चाहिए।

बेबी कॉर्न के साथ लगाएं अंतःफसल

रबी में बेबीकॉर्न के साथ आलू, मटर, राजमा, मेथी, धनिया, गोभी, शलजम, मूली, गाजर इत्यादि अंतःफसल के रूप में ली जाती है। अंतःफसल से जो उपज प्राप्त होती है वह अतिरिक्त लाभ होता है।

स्ट्राबेरी

स्ट्राबेरी एक स्वादिष्ट, लुभाने वाला तथा पौष्टिक फल है। इसमें विटामिन सी तथा लोहा बहुतायत में होते हैं।

साधारणतः हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र में पैदा किया जाता है।

किस्में : चान्डलर, गुरिल्ला, टियोगा, सीस्कैप, स्वीटचार्ली, डाना, टोरे, सेल्वा, बेलरूपी, फर्न, पजारो इत्यादि।

नर्सरी तैयार करना - स्ट्राबेरी का प्रवर्धन मुख्य रनर (लता को पकड़ने वाली नोक) द्वारा किया जाता है जाकि कायिक प्रवर्धन का एक भाग है। एक पौधे से 7-10 रनर प्राप्त होते हैं। बड़े स्तर पर प्रवर्धन के लिए सूक्ष्म प्रवर्धन (ऊतक प्रवर्धन) का प्रयोग करते हैं। इस विधि से पूरे वर्ष पौधे प्राप्त करते हैं।

सस्य क्रियाएँ - भूमि को तैयार करना स्ट्रबेरी की खेती के लिए जरूरी होता है। भूमि को जोतकर सममतल बनाते हैं। रनर का रोपक समय सितम्बर-अक्टूबर है। रोपक करते समय यह ध्यान रहे कि रनर स्वस्थ,, कीट एवं बीमारी रहित होने चाहिए। चार तरीके से इसका रोपक करते हैं, जैसे- मैटिड से, स्पेस्ड से, हिल तथा प्लास्टिक फिल्म।

उर्वरण व खाद : भिन्न-भिन्न खद एवं उर्वरण की दर अलग-अलग राज्यों के लिए निर्धारित की गई है जिसमें हिमाचल प्रदेश के लिए खाद व उर्वरण को इस प्रकार निर्धारित किया गया है - 50 टन सड़ी हुई गोबर की खाद, 40 कि.ग्रा. फॉस्फोरस, 40 कि.ग्रा. पोटाश को भूमि तैयार करने समय डालते हैं। नत्रजन (80 कि.ग्रा.) को दो भागों में बांटका एक भाग को सितम्बर और दूसरे भाग को फुल आते समय देना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण - खरपतवार नियंत्रण के लिए 3-4 निराई-गुड़ाई की आवश्यकता होती है। ड्यूरान रसायन 5 कि.ग्रा./है. का एक छिड़काव फसल की गुड़ाई के बाद करें।

तुड़ाई एवं उपज - स्ट्राबेरी की तुड़ाई फलों के आधे से तीन चौथाई भाग के रंग बदलने के पश्चात् करते हैक। फलों का पकना गर्म मौसम में शीध्र होता है। फल की तुड़ाई डण्ठल सहित सुबह के समय करते हैं। इसकी उपज 90 क्विंटल/है. आंकी गई है। अच्छे उवरण प्रबंध द्वारा इसकी उपज 175-200 क्विंटल/है. तक होती है।

तुड़ाई उपरांत प्रौद्योगिकी

फलों की सतह का 2/3 हिस्सा लाल रंग का होने पर तुड़ाई करे।

छंटाई करके फलो को प्लास्टिक की पन्नेट (200 ग्राम) में पैक करें।

पन्नेट को सिंगल लेयर सीएफबी बॉक्य में रखें।

फलों को शीत गृह मे 4-5 डिग्री से. तापमान व 85-90 प्रतिशत आर्द्रता पर 20-25 दिन के लिए भण्डारित करें।

फलों से जैम, जेली, आईसक्रीम आदि उत्पाद तैयार करें।

कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल मकड़ी माइट

ये लाल रंग के माइट पत्तों की निचली सतह से रस चूसते हैं जिससे पत्तों पर धब्बे बन जाते हैं तथा उनकी वृद्धि रूक जाने से उपज कम हो जाती है।

2. थ्रिप्स

थ्रिप्स पौधे के पत्तों व फलों से रस चूसकर हानि पहुँचाते हैं। इनसे फसल के बचाव के लिए एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या कार्बेरिल 50 डब्ल्यू.पी. 2 ग्राम/लिटर या डाइमेथेएट 30 ई.सी. 1 मि.लि./लिटर का छिड़काव करें।

3. पत्ती सूत्रकृमि (लीफ नेमाटोड)

यह सूत्रकृमि पौधे के नए फलों को नुसान पहुँचाता है जिससे ये टेढ़े-मेढ़े हो जाते हैं तथा इन पर स्लेटी रंग के धब्बे बन जाते हैं। पौधों की वृद्धि पर बुरा प्रभाव पड़ने से ऊपर काफी कम हो जाती है।

प्रबंधन

1. खेत की मिटटी का निर्जर्मीकरण करें।
2. रोपाई से पहले पौधे को 5 मिनट के लिए इसाजोफॉस 50 ई.सी. के 2 प्रतिशत घोल में डुबोएँ।

मस्क-ट्रम्प को लड़वाया, अब भारत में अमेरिकी राजदूत बने सर्जियो

ट्रम्प के चौकीदार कहे जाते हैं, राष्ट्रपति बोले- मुझे उन पर पूरा भरोसा

एजेंसी

वाशिंगटन डीसी, राष्ट्रपति ट्रम्प ने सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका का अगला राजदूत नियुक्त किया है। उन्हें शुक्रवार को दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। सर्जियो गोर को मस्क और ट्रम्प के बीच लड़ाई शुरू कराने वाला माना जाता है। मस्क ने नाराज होकर गोर को सांप तक कह दिया था। सर्जियो लंबे समय से ट्रम्प परिवार के भरोसमंद रहे हैं। पहले उनका काम ट्रम्प से जुड़े कार्यक्रमों को देखना था। वे यह भी देखते रहे हैं कि ट्रम्प से कौन मिल सकता है और कौन नहीं। इसलिए अमेरिकी मीडिया उन्हें ट्रम्प का गेटकीपर भी कहती है। यानी कि ऐसा शख्स जो ट्रम्प तक पहुंचने के रास्ते पर पहरेदार की तरह खड़ा है। गोर ने एरिक गासेर्टी की जगह ली है। वे मई 2023 से जनवरी 2025 तक भारत में अमेरिका के राजदूत रहे। ट्रम्प ने भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में सर्जियो गोर को करीब 7 महीने की देरी के बाद नियुक्त किया है। जबकि ट्रम्प ने

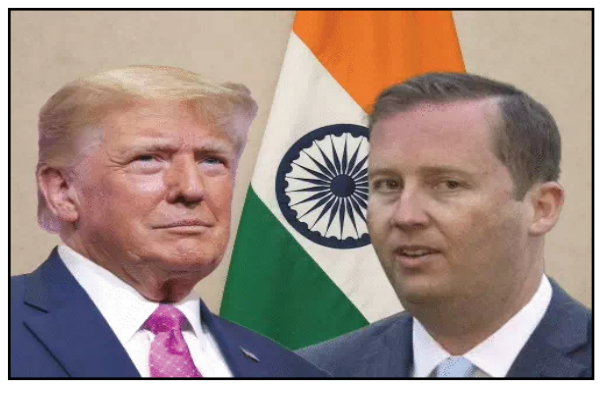

चीन समेत कई देशों में दिसंबर, 2024 में ही राजदूत नियुक्त कर दिया था। माना जा रहा है कि गोर भारत में अमेरिका फर्स्ट एजेंडे को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। गोर ने राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रम्प के लिए फंड जुटाने में भी बड़ी भूमिका निभाई। वे ट्रम्प के खास माने जाते हैं उनकी अमेरिका फर्स्ट नीति के कट्टर समर्थक हैं। गोर व्हाइट हाउस में नियुक्तियों की जांच-परख में भी शामिल रहे हैं। उन्हें ट्रम्प की टीम में पर्दे के पीछे सबसे ताकतवर शख्सियतों में से एक माना जाता है। गोर को ऐसे समय में भारत में अमेरिका का राजदूत बनाया जा रहा है जब टैरिफ को लेकर अमेरिका से उसका विवाद चल रहा है। कुछ दिन पहले ही अमेरिका के व्यापार वाताकारिों की 25-29 अगस्त को भारत यात्रा अचानक रद्द कर दी गई थी। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रम्प ने गोर को प्रेसिडेंसियल पर्सनल ऑफिस का डायरेक्टर बनाया। यह पद बहुत ताकतवर माना जाता है, क्योंकि इसके जरिए यह तय होता है कि सरकार में कौन-कौन लोग अहम पदों पर आएंगे। इस बार ट्रम्प ने सबसे ज्यादा ध्यान खुद में निष्ठा रखने वाले शख्स को चुनने पर दिया। दरअसल, पिछले टर्म में ट्रम्प की टीम में कई ऐसे लोग आ गए थे जो उनके हिसाब से वफादार नहीं थे और बाद में यही उनकी सबसे बड़ी गलती मानी गई। ट्रम्प ने इस बार यह गलती नहीं की। उन्होंने अपनी टीम के लिए जरूरी पदों को चुनने के लिए सर्जियो गोर को चुना जो उनके दाएं हाथ कहे जाते हैं। गोर, ट्रम्प के बेटे ट्रम्प जूनियर के दोस्त हैं। दोनों ने मिलकर विनिंग टीम पब्लिशिंग नाम की कंपनी शुरू की थी, जो ट्रम्प की किताबें प्रकाशित करती है।

इस कंपनी की किताबें महंगी मानी जाती है। सबसे सस्ती किताब की कीमत भी करीब 6500 रुपए है। इसी कंपनी के जरिए ट्रम्प ने अब तक तीन किताबें छपवाई हैं, जिनमें एक किताब में उनकी वह मशहूर तस्वीर है जब पेनसिल्वेनिया में रैली के दौरान उन पर जानलेवा हमला हुआ था और खून से लथपथ हालत में उन्होंने मुट्ठी बांधकर ताकत दिखाने वाला पोज दिया था। सर्जियो गोर पहली बार अमेरिकी राजनीति और मीडिया में 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान चर्चा में आए थे। ट्रम्प ने उन्हें कैंपेन एडवाइजर बनाया था। बाद में वे ट्रम्प के पर्सनल चीफ बने। तब गोर की जिम्मेदारी थी कि अगर ट्रम्प जीतते हैं तो नए प्रशासन में किसे-किसे नियुक्त किया जाए। यानी उनका काम था हजारों पदों के लिए नाम चुनना और यह जांचना कि उनकी ट्रम्प में कितनी निष्ठा है।

जयशंकर बोले- भारत-अमेरिका की कट्टी नहीं

ट्रेड पर बातचीत जारी; रूसी तेल बेचने पर कहा- जिन्हें दिक्कत, वो नहीं लें, हम मजबूर नहीं करते

एजेंसी

नई दिल्ली, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि अभी भी भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड को लेकर बातचीत जारी है और उनके बीच कोई कट्टी (झगड़ा) नहीं हुआ है। नई दिल्ली में आयोजित इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम 2025 में शनिवार को बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत किसानों और छोटे उत्पादकों के हितों को ध्यान में रखकर फैसले ले रहा है। रूसी तेल खरीद पर उन्होंने कहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हित को देखते हुए ही फैसले लेगा। उन्होंने रूसी तेल को ऊंचे दाम पर बेचने के आरोप पर कहा कि अगर किसी देश को भारत से तेल खरीदने में

समस्या है तो वे इसे न खरीदे। भारत किसी भी देश को इसके लिए मजबूर नहीं कर रहा। टैरिफ विवाद पर बोलते हुए जयशंकर ने तीन मुद्दों पर बात की जिनमें व्यापार, रूसी तेल खरीद और भारत-पाक के बीच मध्यस्थता शामिल है। जयशंकर ने भारत-पाक संघर्ष के मुद्दे पर कहा कि हम पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों में मध्यस्थता स्वीकार नहीं करते हैं। उन्होंने कहा- मध्यस्थता के विरोध की बात आती है, तो हम बहुत स्पष्ट हैं। दरअसल, ट्रम्प मई में हुए भारत-पाक संघर्ष को लेकर कई बार सीजफायर कराने का दावा कर चुके हैं।

हालांकि, इसे भारत हमेशा खारिज करते आया है। जयशंकर ने कहा- जब कोई संघर्ष होता है, तो देश एक-दूसरे से बात करते हैं। अमेरिका और अन्य देशों ने भी फोन किए थे, यह कोई सीक्रेट नहीं है। मेरे सभी फोन कॉल्स मेरे एक्स अकाउंट पर हैं। जैसे मैंने इजराइल-ईरान या रूस-यूक्रेन संकट के दौरान फोन किए थे। आज के ग्लोबल रिश्तों में यह आम बात है। लेकिन यह कहना कि भारत-पाकिस्तान के बीच समझौता उनकी वजह से हुआ, गलत है। जयशंकर ने आगे कहा कि अमेरिका, पाकिस्तान के साथ अपने पुराने रिश्तों को भूल रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि दुनिया का सबसे खतरनाक आतंकी लादेन 2011 में पाकिस्तान के एबटाबाद शहर में ही मिला था। जयशंकर ने कहा- अमेरिका और पाकिस्तान का एक इतिहास है, और वे इसे बार-बार नजरअंदाज करते हैं। यह पहली बार नहीं है। कुछ देश सुविधा के लिए राजनीति करते हैं, जिसमें कुछ रणनीतिक फायदे हो सकते हैं। जयशंकर ने कहा कि जब हम अमेरिका-पाकिस्तान रिश्तों को आगे बढ़ते हुए देखते हैं तो भारत इस बात पर ध्यान देता है कि अमेरिका के साथ उसके संबंध कितने मजबूत हैं और उन्हें प्रासंगिक बनाए रखने वाली बातें क्या हैं।

अमेरिकी सरकार ने इंटेल में 10% हिस्सेदारी ली

बदले में कंपनी को 8 बिलियन डॉलर की सब्सिडी, ट्रम्प बोले- इंटेल सीईओ ने अपनी नौकरी बचा ली

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिकी सरकार ने टेक कंपनी इंटेल में 10% हिस्सेदारी ले ली है। सरकार इसके बदले कंपनी को करीब 8 बिलियन डॉलर की सब्सिडी देगी। इस बात की जानकारी अमेरिका के कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लुटनिक ने दी है। हाल ही में राष्ट्रपति ट्रम्प ने कंपनी के सीईओ लिप-बू टैन बीच हाल में हुई एक मुलाकात की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रम्प ने टैन को उनकी कथित चीन से संबंधों की वजह से इस्तीफा देने के लिए कहा था। कंपनी में 10% हिस्सेदारी की बात पर ट्रम्प ने कहा कि उनके लिए यह एक बहुत अच्छी डील है। सीईओ ने अपनी नौकरी बचा ली। ट्रम्प प्रशासन ने इंटेल में यह हिस्सेदारी इसलिए ली है ताकी अमेरिका में चिप मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दिया जा सके। इंटेल अमेरिका की इकलौती कंपनी है जो सबसे तेज और मॉडर्न चिप्स बना सकती है। लेकिन बीते कुछ साल में कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चिप्स मार्केट में एनवीडिया और एएमडी जैसी कंपनियों से पिछड़ गई है। इसके अलावा, इंटेल की ओहायो में बन रही एक बड़ी फैक्ट्री में देरी हो रही है, जो ट्रम्प के लिए काफी खास है। क्योंकि यह प्रोजेक्ट न केवल आर्थिक बल्कि अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, अमेरिकी सरकार ने कंपनी में यह हिस्सेदारी 2022 के चिप्स एक्ट के तहत ली है। जिसमें कंपनी को शेयर के बदले सब्सिडी दी जाएगी। इस एक्ट के तहत इंटेल को पहले ही करीब 7.8 बिलियन डॉलर (करीब 68,100 करोड़) की सब्सिडी की मंजूरी दी जा चुकी है, जिसमें से 2.2 बिलियन डॉलर (करीब 19,200 करोड़) मिल चुके हैं। अब ट्रम्प प्रशासन बाकी बचे 5.7 बिलियन डॉलर (करीब 49,764 करोड़) और कुछ अतिरिक्त फंडिंग को इंटेल के शेयरों में निवेश करने की योजना बना रहा है। इंटेल में अमेरिकी सरकार की ओर से 10% हिस्सेदारी लेने की खबर के बाद कंपनी का शेयर कारोबार के दौरान 7% चढ़कर 25 डॉलर के पार चला गया। गया। हालांकि बाद में इसमें गिरावट रही और ये 5.53% ऊपर 24.80 डॉलर पर बंद हुआ। इंटेल का शेयर बीते 6 महीने में 2.18% और एक साल में 20.74% चढ़ा है। हालांकि , बीते 5 साल में कंपनी के शेयर की वैल्यू यानी 49.68% गिरकर आधी हो गई है। कंपनी का मार्केट कैप 10.85 हजार डॉलर (करीब ?9,47,269 करोड़) रुपए है।

न्यूयॉर्क में टूरिस्ट बस पलटी, 5 की मौत

बस में भारतीय भी थे, ड्राइवर के कंट्रोल खोने से हुआ हादसा

एजेंसी

अल्बानी, न्यूयॉर्क में शुक्रवार को नायग्रा फॉल्स से न्यूयॉर्क सिटी जा रही एक टूरिस्ट बस पलट गई, जिससे 5 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस के मेजर आंद्रे रे ने मीडिया को बताया कि बस के ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया जिससे बस पलट गई। यह हादसा स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12:30 बजे हुआ। बस में 54 यात्री सवार थे। ज्यादातर यात्रियों ने सीट बेल्ट नहीं लगाई थी, जिससे हादसे के समय खिड़कियां टूटने से कई यात्री बस से बाहर गिर गए। न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस के प्रवक्ता ट्रूपर जेम्स ओकालाघन ने बताया, बस में बच्चे भी थे। अधिकांश यात्री भारत, चीन और फिलिपींस मूल के थे। घायलों को हेलिकॉप्टर और एम्बुलेंस से बफैलो के एरी काउंटी मेडिकल सेंटर और आसपास के अस्पतालों में पहुंचाया गया। दोपहर 2:10 बजे तक कम से कम आठ मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। ओकालाघन ने कहा, यह एक बड़ी पर्यटक बस थी, जिसमें भारी नुकसान हुआ। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने एक्स पर लिखा कि उन्हें इस दुखद दुर्घटना के बारे में जानकारी दी गई है और उनका कार्यालय, पुलिस और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। एक चश्मदीद, मदीना के पॉवेल स्टीफंस ने बताया कि सड़क पर टूटी खिड़कियां, बिखरा सामान और मलबा था।

हादसे के कारण रोड बंद कर दी गई। ड्राइवरों को इस इलाके से न गुजरे की सलाह दी गई। बचाव कार्य अभी भी जारी है।

हम किसी से नहीं डरते, सच बोलते हैं...

खुद के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने पर बोले तेजस्वी यादव

राजद नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक पोस्ट और अपमानजनक सामग्री को लेकर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में एफआईआर दर्ज की गई है।

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक 'आपत्तिजनक' पोस्ट को लेकर अपने खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद, राजद नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को कहा कि वह किसी भी एफआईआर से ₹डरे हुए₹ नहीं हैं। उन्होंने पूछा कि क्या जुमला शब्द कहना अपराध बन गया है और आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सच्चाई से डर रही है। कटिहार में पत्रकारों से बात करते हुए, यादव ने कहा कि एफआईआर से कौन डरता है? 'जुमला' शब्द कहना भी अपराध बन गया है। वे सच्चाई से डरते हैं। हम किसी एफआईआर से नहीं डरते और हम सच बोलते हैं। नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक पोस्ट और अपमानजनक सामग्री को लेकर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में एफआईआर दर्ज की गई है। राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि क्या चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ नफरत भरे भाषण के लिए कोई कार्रवाई की या एफआईआर दर्ज की... हालाँकि, विपक्ष के लोगों के साथ ऐसा अक्सर होता रहता है। लेकिन इससे कौन डरता है? जब सरकार आम लोगों के गुस्से से डर जाती है, तो वह अदालत और पुलिस का सहारा लेगी। लेकिन हम इससे नहीं डरेंगे। हम उन्हें आमने-सामने चुनौती देंगे। प्रधानमंत्री मोदी इससे बहुत डरे हुए हैं। आरजेडी नेता संजय यादव ने कहा कि उन्होंने (तेजस्वी यादव) किस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया? हर नागरिक के बैंक खाते में 15 लाख रुपये देने का वादा किसने किया? हर साल 2 करोड़ नौकरियां देने का वादा किसने किया? बिहार को विशेष पैकेज और विशेष दर्जा देने का वादा किसने किया? बिहार के विकास का वादा किसने किया?... अगर उन्हें बिहार से किए गए उनके वादों की याद दिलाते हुए आपको देश के हर जिले में एफआईआर दर्ज करनी चाहिए... सिर्फ एक विधायक द्वारा एफआईआर क्यों दर्ज की गई? महाराष्ट्र के गढ़चिरौली से भाजपा विधायक मिलिंद रामजी नरोटे ने शुक्रवार को तेजस्वी यादव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। गढ़चिरौली पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196(1)(ए)(बी), 356(2)(3), 352, 353(2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

पीएम-सीएम को बर्खास्त करने वाले विधेयक पर बंट गया विपक्ष?

टीएमसी ने एक बयान में कहा कि हम 130वें संविधान संशोधन विधेयक का पेश होने के चरण में ही विरोध करते हैं और हमारे विचार से जेपीसी एक दिखावा है। इसलिए, हम एआईटीसी से किसी को भी नामित नहीं कर रहे हैं।

टीएमसी का जेपीसी में शामिल होने से इनकार

एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने शनिवार को कहा कि वह प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को बर्खास्त करने संबंधी विधेयकों की जांच के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में किसी सदस्य को नामित नहीं करेगी, यदि उन्हें लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रखा जाता है या गिरफ्तार किया जाता है। टीएमसी ने एक बयान में कहा कि हम 130वें संविधान संशोधन विधेयक का पेश होने के चरण में ही विरोध करते हैं और हमारे विचार से जेपीसी एक दिखावा है। इसलिए, हम एआईटीसी से किसी को भी नामित नहीं कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में तीन विवादास्पद विधेयक - संविधान (एक सौ तीसवाँ संशोधन) विधेयक, 2025, केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 - पेश किए। हालांकि, इन तीनों विधेयकों के पेश होने पर सदन में भारी हंगामा हुआ और विपक्ष ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इन विधेयकों के जरिए गैर-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्य सरकारों को अस्थिर करना चाहती है। कुछ विपक्षी सदस्यों ने विधेयकों की प्रतियां फाड़कर शाह की ओर फेंक दीं, जिन्होंने बाद में कहा कि विधेयकों को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा जाएगा।

लोकतांत्रिक युग को 'खत्म' करने वाली बुराइयाँ: बनर्जी

शाह द्वारा संसद में इन विधेयकों को पेश किए जाने के बाद, ममता बनर्जी ने कहा कि ये विधेयक देश में लोकतांत्रिक युग को 'खत्म' कर देंगे और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को भी 'खत्म' कर देंगे। उन्होंने कहा कि ये विधेयक प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को सशक्त करेंगे और इसे ₹सुपर-आपातकाल से भी बड़ा₹ कदम बताया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा कि मैं भारत सरकार द्वारा आज पेश किए जाने वाले 130वें संविधान संशोधन विधेयक की निंदा करती हूँ। मैं इसे सुपर-आपातकाल से भी बढ़कर, भारत के लोकतांत्रिक युग को हमेशा के लिए समाप्त करने की दिशा में एक कदम बताकर इसकी निंदा करती हूँ। यह कठोर कदम भारत में लोकतंत्र और संघवाद के लिए मौत की घंटी है।

राजनाथ और अमित शाह ने मिले एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन

राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा कि आज थिरु सीपी राधाकृष्णन जी से मुलाकात की। एनडीए की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने पर उन्हें शुभकामनाएँ दीं। मुझे विश्वास है कि थिरु राधाकृष्णन जी एक असाधारण उपराष्ट्रपति बनेंगे और भारत के लोगों की एक सशक्त आवाज बने रहेंगे।

एजेंसी

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा कि आज थिरु सीपी राधाकृष्णन जी से मुलाकात की। एनडीए की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने पर उन्हें शुभकामनाएँ दीं। मुझे विश्वास है कि थिरु राधाकृष्णन जी एक असाधारण उपराष्ट्रपति बनेंगे और भारत के लोगों की एक सशक्त आवाज बने रहेंगे। वहीं, अमित शाह ने लिखा कि उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन जी से मुलाकात की। वे एक अनुभवी नेता हैं जिनके पास व्यापक संगठनात्मक और प्रशासनिक अनुभव है। मुझे विश्वास है कि वे अपने व्यापक अनुभव के साथ भारत के राष्ट्रीय विमर्श में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। एक दिन पहले, शाह ने कहा था कि महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को एनडीए द्वारा उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में नामित करना तमिलनाडु के लिए गर्व की बात है और यह तमिल संस्कृति, भाषा और नेतृत्व के सम्मान के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कर्नाटक- कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र गिरफ्तार

ईडी के अनुसार, वीरेंद्र किंग567 और राजा567 जैसे नामों से कई अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म चला रहा था।अधिकारियों का मानना है कि दुबई स्थित ये गतिविधियाँ अवैध धन के शोधन और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जमावड़े का केंद्र थीं।

एजेंसी

कर्नाटक कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र को शनिवार को एक अवैध

ईडी के छापे में करोड़ों नकद व आभूषण मिले

ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजी रैकेट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भारत में 31 जगहों पर दो दिनों तक चली तलाशी के बाद यह गिरफ्तारी की। जाँच में एक बड़े सट्टेबाजी नेटवर्क का पता चला, जिसमें दुबई से संचालन और कई कैसीनो से जुड़े लिंक शामिल थे। 22 और 23 अगस्त को की गई छापेमारी बेंगलुरु, हुबली, मुंबई, जोधपुर, गोवा और गंगटोक जैसे शहरों में की गई। इसके अलावा, पाँच प्रसिद्ध कैसीनो, बिग डैडी कैसीनो, ओशन रिवर्स कैसीनो, पपीज कैसीनो प्राइड, ओशन 7 कैसीनो और पपीज कैसीनो गोल्ड पर भी छापेमारी की गई। ईडी के अनुसार, वीरेंद्र किंग567 और राजा567 जैसे नामों से कई अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म चला रहा था। उसका भाई, केसी. थिप्पेस्वामी, दुबई स्थित तीन कंपनियों, डायमंड सॉफ्टेक, टीआरएस टेक्नोलॉजीज और प्राइम9 टेक्नोलॉजीज के माध्यम से इन गतिविधियों का बैकएंड प्रबंधन कर रहा था। ये कंपनियाँ सट्टेबाजी के संचालन के लिए गेमिंग से संबंधित कॉल सेंटर सेवाएँ प्रदान करती पाई गईं। अधिकारियों का मानना है कि दुबई स्थित ये गतिविधियाँ अवैध धन के शोधन और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जमावड़े का केंद्र थीं। व्यापक तलाशी अभियान के दौरान, अधिकारियों ने लगभग ?12 करोड़ नकद, जिसमें ?1 करोड़ की विदेशी मुद्रा भी शामिल है, जब्त किया। इसके अलावा, लगभग ?6 करोड़ मूल्य के सोने के आभूषण, 10 किलो चाँदी के बर्तन और चार महंगे वाहन जब्त किए गए। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत 17 बैंक खाते और दो बैंक लॉकर जब्त कर लिए गए। वीरेंद्र के भाई के.सी. नागराज और नागराज के बेटे पृथ्वी एन. राज के आवास से संपत्ति और वित्तीय लेन-देन से जुड़े कई दस्तावेज बरामद किए गए। विधायक को 23 अगस्त, 2025 को गंगटोक से गिरफ्तार किया गया था, जहाँ कथित तौर पर वह अपने सहयोगियों के साथ क्षेत्र में एक जमीनी कसीनो को पट्टे पर लेने की संभावना तलाशने गए थे।